RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 परिणीति के चेहरे पर नजर...

वर्ष : 27 अंक : 261 website:www.chetnamanch.com नोएडा, मंगलवार, 09 सितंबर, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग

सीपी राधाकृष्णन और बी. सुदर्शन रेड्डी में मुकाबला

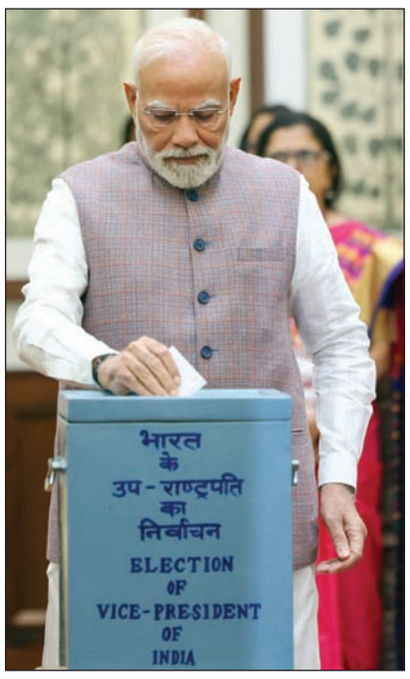

बहुमत के लिए 391 वोट जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 17वें उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए आज संसद भवन में वोटिंग हो रही है। वोटिंग प्रक्रिया सुबह 10 बजे से शुरू हो गई जो शाम पांच बजे तक चलेगी। शाम 6 बजे से वोटों की गिनती शुरू होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले सुबह 10 बजे वोट डाला। वोटिंग शुरू होने से पहले सभी एनडीए सांसद सुबह 9.30 बजे ब्रेकफास्ट मीटिंग में हिस्सा लिया। मुकाबला एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन और इंडिया ब्लॉक के प्रत्याशी बी. सुदर्शन रेड्डी के बीच है। लोकसभा के (शेष पृष्ठ-4 पर)

नेपाल में हिंसा जारी

- राष्ट्रपति आवास पर कब्जा
- पीएम ओली दुबई जाने की फिराक में
- मंत्रिमंडल के 3 मंत्रियों ने दिया इस्तीफा
- हिंसा में 20 की मौत, आईटी मंत्री का घर फूंका

काठमांडू (एजेंसी)। काठमांडू में संसद भवन के बाहर प्रदर्शन व हिंसा जारी है और प्रधानमंत्री ओली के खिलाफ नारेबाजी हो रही है। सुबह कर्फ्यू हटा लिया गया, लेकिन संवेदनशील इलाकों में प्रतिबंध और कुछ हिस्सों में आज आधी रात तक कर्फ्यू रहेगा। इसी बीच आईटी मंत्री ने घोषणा की कि नेपाल सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लगा बैन हटा लिया है और इन्हें धीरे-धीरे बहाल किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने आईटी मंत्री के घर को भी जला दिया है। उधर पीएम ओली की सरकार पर संकट मंडराने लगा है। उनके तीन मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है। वहीं सूचना मिली है कि बीमारी के बहाने पीएम ओली दुबई जाने की फिराक में हैं। हिंसा के दौरान नेपाल पुलिस ने कुछ इलाकों में फायरिंग भी की है जिसमें दो लोग घायल हो गए हैं।

भारत के पड़ोसी देश काठमांडू में हालात लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं। संसद भवन के बाहर मंगलवार सुबह से ही प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। हालांकि राजधानी में सुबह से कर्फ्यू हटा लिया गया, लेकिन राष्ट्रपति भवन, उपराष्ट्रपति निवास, प्रधानमंत्री आवास, सिंहदरबार और संसद भवन के आसपास प्रतिबंध जारी है।

वहीं मंत्री निवास और प्रमुख दलों के दफ्तरों के आसपास आज सुबह 7 बजे से रात 12 बजे तक कर्फ्यू लागू है। बीत दिन ही आईटी मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरंग ने कहा कि नेपाल सरकार ने (शेष पृष्ठ-4 पर)

भारतीयों को सावधानी बरतने की सलाह

नौवीं की छात्र लापता

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 क्षेत्र से नौवीं कक्षा की छात्र संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। पिता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। गिझोड गांव में किराए पर रहने वाले विमलेश (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी बेटी नौवीं कक्षा की छात्रा है। 31 अगस्त की सुबह वह घर से बिना बताए कहीं चली गई। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और किशोरी की तलाश की जा रही है।

ससुरालियों ने जबरन करा दी नाबालिग बेटी की शादी

न्यायालय के निर्देश पर 8 लोगों पर एफआईआर

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर 20 में एक महिला ने अपनी नाबालिक बेटी की जबरन शादी कराने के आरोप में अपने जेठ, जेठानी व भतीजो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता ने आठ लोगों के खिलाफ यह मुकदमा न्यायालय के निर्देश पर दर्ज कराया है।

निठारी गांव में किराए पर रहने वाली कोमल (काल्पनिक नाम) ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह अपने परिवार के साथ निठारी में रह रही है। उसका जेठ रामकुमार, जेठानी पार्वती, बाबू दुबे, राधा, पप्पू व उनके बेटे अंकित, उमाशंकर 23 जुलाई 2024 को उसके घर निठारी आए। वह उसकी नाबालिक बेटी को अपने साथ उसके पैतृक गांव ले गए। ससुराल वालों ने उसे आश्वासन दिया था कि वह उसकी बेटी को 15 दिन के बाद नोएडा

वापस छोड़ जाएंगे। काफी समय बीतने के बाद जब उसकी बेटी घर नहीं लौटी तो उसने ससुराल वालों से बात की लेकिन उन्होंने कोई संतोषजनक दबाव जवाब नहीं दिया। ज्यादा पूछताछ करने पर ससुराल वालों ने उसे तथा उसके पति को जान से मारने की धमकी दी।

पीड़िता के मुताबिक 23 मार्च 2025 को उसकी उसकी बेटी का फोन आया। उसकी बेटी ने बताया कि इन लोगों ने उसे जबरदस्ती बेच दिया है और उसकी शादी कर दी है। यह लोग उसे जान से मार सकते हैं। उसने इसकी शिकायत थाना सेक्टर-20 पुलिस से की लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। पीड़िता के मुताबिक उसने अपनी बेटी के साथ अनहोनी होने की भी आशंका जताई लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। शिकायत पर न्यायालय ने सुनवाई के बाद थाना सेक्टर-20 पुलिस को आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए। न्यायालय के निर्देश के बाद पुलिस ने रामकुमार, पार्वती, बाबू दुबे, राधा, अंकित, उमाशंकर, उदयभान पांडे, (शेष पृष्ठ-4 पर)

बाइक सवार बदमाशों ने तीन लोगों से छीना मोबाइल

नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थानों से बाइक सवार बदमाशों ने युवती सहित तीन लोगों से मोबाइल फोन छीन लिया और फरार हो गए। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

मूल रूप से प्रयागराज के रहने वाले शिवाकांत पटेल ने थाना फेस दो में अपना मोबाइल फोन छीने जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह वर्तमान में सेक्टर 87 स्थित नया गांव में किराए पर

रह रहा है और वह एक निजी कंपनी में जॉब करता है। 3 सितंबर को वह ड्यूटी खत्म करने के बाद कंपनी से बाहर निकला। इस दौरान उसने अपने परिचित से बात करने के लिए जेब से मोबाइल फोन निकाला। पीछे से बाइक पर आए दो युवक उसके हाथ से मोबाइल फोन छीन कर फरार हो गए। उसने बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह हत्थे नहीं चढ़े।

थाना सेक्टर 20 क्षेत्र में 5 सितंबर की रात्रि को बाइक सवार बदमाशों ने राहुल कुशवाहा का मोबाइल फोन छीन लिया। राहुल कुशवाहा ड्यूटी खत्म करने के बाद न्यू अशोक नगर स्थित अपने कमरे पर जा रहा था। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। वहीं थाना बीटा दो क्षेत्र में ड्यूटी के लिए जा रही युवती से (शेष पृष्ठ-4 पर)

नकाबपोश बदमाशों ने सेक्टर-51 में की तोड़फोड़

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-51 में नकाबपोश दो बदमाशों ने रात में सेक्टर में घुसकर गाड़ियों में तोड़फोड़ की तथा फरार हो गए। इससे सेक्टरवासियों में भय व्याप्त है। कुछ नकाबपोश लोग एक गाड़ी में बैठकर सुरक्षाकर्मी को धमकाकर सेक्टर 51 के सी ब्लॉक में घुसे और सेक्टर में सी-126 के पास (शेष पृष्ठ-4 पर)

मोबाइल स्नेचर के साथ मुठभेड़, गोली से हुआ घायल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के थाना बीटा-2 पुलिस और बाइक सवार बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक बदमाश पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया जबकि दूसरे बदमाश को पुलिस ने कॉम्बिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्साल में भर्ती कराया गया है। बदमाशों के कब्जे से दो तमंचा, लूटे हुई दो मोबाइल फोन और घटना में इस्तेमाल की जाने वाली चोरी की मोटरसाइकिल हुई बरामद किया गया है।

एडिशनल डीसीपी, ग्रेटर नोएडा सुधीर कुमार ने बताया कि पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में पैर पर गोली लगने से घायल बदमाश की पहचान विशाल उर्फ मोनू महतो के रुप में हुई है। एडिशनल डीसीपी सुधीर कुमार ने

बताया कि थाना बीटा-2 पुलिस पीपल वाला चौराहे के पास चैकिंग कर रही थी तभी सामने से एक मोटरसाइकिल पर सवार दो लोग आते हुए दिखाई दिये, रुकने का इशारा करने पर वे अपनी मोटरसाइकिल मोड़कर ढकिया बाबा गोलचक्कर की ओर भगाने का प्रयास करने लगे। (शेष पृष्ठ-4 पर)

शराब के नशे में झगड़ा पीट-पीटकर युवक की हत्या

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र के बराही मंदिर के पास मदरसे वाली गली में शराब के नशे में दो पक्षों में हुए झगड़े के दौरान एकयुवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई है। जबकि इस झगड़े में कुछ लोग चाकू लगने से घायल भी हुए हैं।

थाना सूरजपुर पुलिस ने बताया कि मदरसे वाले गली में किराए पर रहने वाले राजकुमार, प्रेमपाल, गौरव, पुत्र मुख्तयार सिंह मूल निवासी जिला बुलंदशहर तथा इसी मकान के प्रथम तल में रहने वाले कमल सिंह व नेता पुत्र फकीर चंद निवासी बुलंदशहर 8 सितंबर की रात को आपस में बैठकर

शराब पी रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। झगड़े के दौरान नेता पुत्र फकीरचंद ने दूसरे पक्ष के राजकुमार को चाकू मारकर घायल कर दिया। इससे आग बबूला हुए राजकुमार, प्रेम पाल, गौरव व अन्य पड़ोसियों ने कमल सिंह व नेता के साथ मारपीट शुरू कर दी। (शेष पृष्ठ-4 पर)

गौतमबुद्धनगर में जल्द बनेगा आधुनिक ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर

प्रदेश सरकार ने दी हरी झंडी, 10 से 15 एकड़ में बनेगा

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर जनपद में जल्द ही अत्याधुनिक ड्राइविंग ट्रेनिंग तथा टेस्टिंग सेंटर खोला जाएगा। प्रदेश सरकार ने इसके निर्माण को हरी झंडी प्रदान कर दी है।

गौतमबुद्धनगर में सड़क सुरक्षा तथा पारदर्शी लाइसेंसिंग व्यवस्था के मद्देनजर इंस्टिट्यूट ऑफ़ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर (आईडीटीआर) बनाया जाएगा। यह आईडीटीआर 10 से 15 एकड़ भूमि पर बनाया जाएगा। इसमें ऑटोमेटेड ड्राइविंग विंग टेस्ट ट्रैक, हल्के तथा भारी वाहनों के लिए सिक्युलेटर, क्लास रूम,

कार्यशाला, छात्रावास तथा मेडिकल टेस्ट आदि की सभी सुविधा रहेगी। इस भवन में ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स अकादमी तथा सड़क सुरक्षा शोध केंद्र भी बनेगा। इस केंद्र में ड्राइवरों के लिए प्रशिक्षण, पहले से ही वाहन चला रहे ड्राइवर के लिए रिफ्रेशर कोर्स, खतरनाक सामान ढोने वाले ट्रक तथा बड़े वाहनों के चालकों के लिए विशेष मॉड्यूलर तथा ऑटोमेटेड टेस्टिंग की भी सुविधा रहेगी। (शेष पृष्ठ-4 पर)

राशन वितरण कल से, 25 तक मिलेगा

नोएडा (चेतना मंच)। जिला पूर्ति अधिकारी गौतमबुद्धनगर अभिनव सिंह ने जनपद के समस्त अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को बताया कि माह सितम्बर, 2025 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न तथा अंत्योदय कार्डधारकों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत 10 से 25 सितंबर 2025 के मध्य त्रैमास जुलाई से सितंबर 2025 के सापेक्ष चीनी का वितरण सशुल्क किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उक्त अवधि में आवश्यक वस्तुओं का वितरण प्रात: 08.00 बजे से 12 तक एवं दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक खाद्यान्न वितरित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि समस्त अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को खाद्यान्न गेहूं, चावल का वितरण नि:शुल्क किया जाएगा, जिसमें अंत्योदय कार्डधारकों को 14 किग्रा0 गेहूँ

एवं 21 किग्रा0 चावल एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को कार्ड में सम्मिलित प्रति यूनिट 02 किग्रा0 गेहूं व 03 किग्रा0 चावल विक्रेता द्वारा नि:शुल्क वितरण किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि अंत्योदय कार्ड धारकों को त्रैमास जुलाई, अगस्त एवं सितंबर 2025 के सापेक्ष 3 किलोग्राम चीनी प्रति कार्ड 18 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से 54 रुपए में वितरण की जाएगी। साथ ही बताया कि अंत्योदय कार्ड धारकों को चीनी के संबंध में पोर्टेबिलिटी की सुविधा मान्य नहीं होगी, (शेष पृष्ठ-4 पर)

एलीवेटिड रोड से प्रभावित लोगों की समस्याओं का निजात 6 माह में!

यूपी स्टेट ब्रिज कॉर्पोरेशन ने आरटीआई के जवाब में किया खुलासा

नोएडा (चेतना मंच)। एलीवेटिड रोड के नीचे स्थित गांवों तथा मार्केट की समस्या फिलहाल खत्म होने वाली नहीं है। उन्हें अपनी समस्याओं से निजात पाने के लिए अभी कम से कम 6 माह का इंतजार करना पड़ेगा।

सर्वविदित है कि भंगेल एलीवेटिड रोड का कार्य तकरीबन पूरा हो चुका है। अगले माह तक यह एलीवेटिड रोड चालू हो जाएगा। लेकिन एलीवेटिड के नीचे की सड़क, नाला, सेंट्रल वर्ज आदि का काम अगले वर्ष यानी वर्ष-2026 के मार्च तक पूरा होने की संभावना है। समाजसेवी तथा आरटीआई एक्टिविस्ट रंजन तोमर एडवोकेट द्वारा आरटीआई के तहत मांगी गई जानकारी में यूपी स्टेट

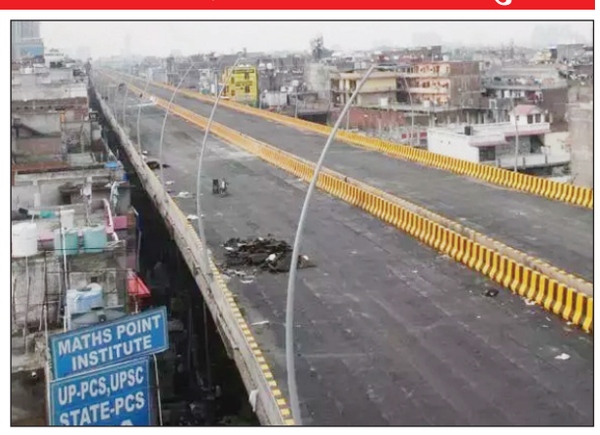

ब्रिज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के परियोजना प्रबंधक सुधीर कुमार भारद्वाज ने यही जवाब दिया है। अपने जवाब में श्री भारद्वाज ने कहा कि पुल के नीचे के कार्यों में मात्राओं में विचलन /अतिरिक्त कार्य मद परीलक्षित हो रहे हैं। जो नोएडा प्राधिकरण में स्वीकृत की प्रक्रिया में है। शीघ्र स्वीकृत होना संभावित है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

विश्वास को ठेस

हाल के दिनों में देश की विभिन्न अदालतों में न्यायिक सुनवाई से अलग होने की घटनाओं में लगातार वृद्धि असहज करने वाली ही है। हालांकि, निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिये सुनवाई से अलग होना एक स्थापित सुरक्षा उपाय है, लेकिन जिस तरह इसका इस्तेमाल और संप्रेषण किया जाता है, उसने कई चिंताजनक प्रश्न तो खड़े किए ही जा सकते हैं। देश के राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण यानी एनसीएलएटी के एक प्रकरण, जहां एक सदस्य ने खुलासा किया कि वह एक मामले से खुद को अलग कर रहा है क्योंकि एक उच्च न्यायिक व्यक्ति ने उसे एक पक्ष का पक्ष लेने के लिये संपर्क किया था, ने इस प्रक्रिया में विश्वास को ठेस पहुंचायी है। हाल ही में, शीर्ष अदालत के न्यायाधीश एमएम सुंदरेश ने बिना कोई कारण बताए दलित-अधिकार वकील सुरेंद्र गाडलिंग की जमानत याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था। इससे पहले भी, कर्नाटक उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी कामेश्वर राव ने संस्था से संबंधों का हवाला देते हुए एनएलएसआईयू ट्रांसजेंडर आरक्षण अपील से खुद को अलग कर लिया था। यहां तक कि मुख्य न्यायाधीशों- संजीव खन्ना ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति मामले में और बी.आर.गवई ने एक आंतरिक न्यायिक जांच मामले में खुद को अलग कर लिया था। निस्संदेह, इस तरह की असंगतता पारदर्शिता के बारे में मिले-जुले संकेत देती है। जो जनमानस में इस बाबत नये विमर्श को जन्म देता है। इसमें दो राय नहीं कि इस संबंध में कानून में स्पष्टता की दरकार है। सुनवाई से अलग होने के लिये कोई संहिताबद्ध ढांचा नहीं है। यहां उल्लेखनीय है कि मई 2025 में, सर्वोच्च न्यायालय ने एक समान नियम बनाने की याचिका को यह कह कर खारिज कर दिया था कि सुनवाई से अलग होना व्यक्तिगत विवेक का मामला है। ऐसे मामलों में न्यायिक स्वतंत्रता ऐसी स्वायत्तता की मांग करती है, वहीं अस्पष्टता जनता के विश्वास को कमजोर करती है। निस्संदेह, जनसाधारण की न्यायिक व्यवस्था में आस्था मजबूत करने के लिये न्याय न केवल किया जाना चाहिए, बल्कि होते हुए भी दिखना चाहिए। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में, सुनवाई से अलग होने के मामले केवल न्यायिक मूल्यों के पुनर्कथन और न्यायिक आचरण के बैंगलौर सिद्धांतों जैसी नरम-कानून संहिताओं द्वारा निर्देशित होते हैं। वास्तव में वे कारणों का खुलासा करने का कोई बाध्यकारी दायित्व तय नहीं करते। इसका परिमाण ही असमान व्यवहार है। इस बाबत कुछ न्यायाधीश तो स्पष्टीकरण देते हैं, जबकि कई अन्य ऐसे मामलों में खामोशी धारण कर लेते हैं। निस्संदेह, ऐसी परंपराओं से जन साधारण में अटकलों और न्यायिक प्रक्रिया में देरी को बढ़ावा ही मिलता है। इस दिशा में एक मध्य मार्ग भी संभव है। न्यायालय न्यूनतम प्रकटीकरण मानक अपना सकते हैं। आदेश पत्र पर एक पंक्ति की 'कारण श्रेणी' और एक केंद्रीय सुनवाई रजिस्टर की व्यवस्था की जा सकती है। इस प्रकार से कुछ हल्के-फुल्के सुधार न्यायिक स्वतंत्रता की रक्षा ही करेंगे। सही मायनों में खामोशी, खासकर संवेदनशील मामलों में, अब तटस्थ नहीं रही।

नेता सत्ता के लिए निचले स्तर तक गिरा रहे हैं भाषा की गरिमा

सत्ता पाने के लिए राजनीति में भाषा निम्न स्तर तक पहुंच गई है। आश्चर्य यह है कि ऐसा करने वाले नेताओं में कोई शर्म-लिहाज नहीं बची है। विकास, भ्रष्टाचार और देश की एकता-अखंडता जैसे मुद्दों पर वोट बैंक बटोरने के लक्ष्य की तुलना में नेताओं को स्तरहीन भाषा का प्रयोग करना सत्ता पाने के लिए ज्यादा आसान लगता है। चुनाव समीप आते ही नेताओं की जुबान बेलगाम हो जाती है। बिहार विधानसभा चुनाव समीप हैं। ऐसे में प्रतिद्वन्दी राजनीति दल किसी भी सूरत में सत्ता पाने चाहते हैं, बेशक इसके लिए भाषा की मर्यादा को ही तार-तार क्यों न करना पड़े।

बिहार के दरभंगा में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी ने नेताओं के भाषा विवाद को नैतिकता के निचले पायदान पर पहुंचा दिया है। अफसोसजनक यह है कि राजनीतिक दलों के मुखिया ऐसी हरकतें करने के लिए माफी तक नहीं मांगते। इसके विपरीत दूसरे नेताओं ने कब-कब इस तरह की अमर्यादित और अपमानित करने वाली भाषा का इस्तेमाल किया, इसका बेशर्मी से उदहारण देने लगते हैं। पीएम मोदी के मामले में भी यही तौर-तरीका अपनाया गया।

मौका चुनाव का न हो तब भी नेता सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए ऐसी हरकतें करते रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह गिरावट तेजी से आई है। देश का शायद ही कोई नेता ऐसा हो, जिसने भाषा की गरिमा को छिन्न-भिन्न नहीं किया हो। भाषा के अलावा नेता जुमलों का इस्तेमाल भी सत्ता स्वार्थ के लिए करते रहे हैं। इसकी फेहरिस्त काफी लंबी है। दिल्ली में निर्भया बलात्कार हत्याकांड के बाद आरोपियों को हुई फांसी की सजा पर समाजवादी पार्टी प्रमुख मुलायम सिंह यादव ने एक रैली में कहा था कि जब लड़के और लड़कियों में कोई विवाद होता है तो लड़की बयान देती है कि लड़के ने मेरा बलात्कार किया। इसके बाद बेचारे लड़के को फांसी की सजा सुना दी जाती है। बलात्कार के लिए फांसी की सजा अनुचित है। लड़कों से गलती हो जाती है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने एक पार्टी कार्यक्रम में जयंती नटराजन को टंच माल कह दिया था। दिग्गी ने एक बार राखी सावंत पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि अरविंद केजरीवाल और राखी सावंत जितना एक्सपोज करने का वादा करते हैं उतना करते नहीं हैं। उनके इस बयान पर राखी न

बिहार के दरभंगा में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी ने नेताओं के भाषा विवाद को नैतिकता के निचले पायदान पर पहुंचा दिया है।

उन्हें सठिया गए हैं, कह कर झिड़का था। शरद यादव शरद यादव महिलाओं पर कई बार अभद्र टिप्पणी की। जेडीयू नेता रहे शरद यादव ने बयान दिया था कि बेटियों की इज्जत से वोट की इज्जत बड़ी है, जिसके बाद सभी तरफ से इसका बयान का खंडन किया गया। महिला आरक्षण विधेयक जब पहली बार संसद में रखा गया था तब शरद यादव ने कहा था कि इस विधेयक के जरिए क्या आप परकटी महिलाओं को सदन में लाना चाहते हैं।

भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय ने कहा था महिलाओं को ऐसा श्रृंगार करना चाहिए, जिससे श्रद्धा पैदा हो, न कि उत्तेजना। कभी कभी महिलाएं ऐसा श्रृंगार करती हैं, जिससे लोग उत्तेजित हो जाते हैं। एक अन्य कार्यक्रम में भाजपा नेता विजयवर्गीय ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर को महिलाओं का शौकीन बताया था। छत्तीसगढ़ के कोरबा से भाजपा सांसद रहे बंसीलाल महतो ने छत्तीसगढ़ के खेल मंत्री भैयालाल राजवाड़े का नाम लेते हुए कहा था कि वो अक्सर बोला करते हैं कि अब बालाओं की जरूरत मुंबई और कलकत्ता से नहीं है, कोरबा की टूरी और छत्तीसगढ़ की लड़कियां टनाटन हो गई हैं। हरियाणा की एक खाप पंचायत के नेता जितेंद्र छत्तर ने कहा था कि मेरे ख्याल से फास्ट फूड खाने से बलात्कार की घटनाएं बढ़ती हैं।

इसी तरह भाजपा नेता सुब्रमण्यन स्वामी ने एक बार प्रियंका गांधी के लिए कहा था कि वह बनारस से चुनाव हार जाएंगी क्योंकि बहुत शराब पीती हैं। नेहरू और लेडी माउंटबेटन के संबंधों पर भी स्वामी विवादित टिप्पणी कर चुके हैं। भाजपा नेता श्रीप्रकाश जायसवाल ने एक बार बयान दिया था कि, नई शादी का मजा ही कुछ और होता है और ये तो सब जानते हैं कि पुरानी बीवी में वो मजा नहीं रहता। गोवा के मुख्यमंत्री और भारत के पूर्व रक्षा मंत्री रहे मनोहर पर्रिकर ने लड़कियों के शराब पीने पर चिंता जाहिर करते हुए कहा था मैं डरने लगा हूं क्योंकि अब तो लड़कियां भी शराब पीने लगी हैं। सहने की क्षमता खत्म हो रही हैं।

वर्ष 2019 लोकसभा चुनाव में नेताओं की जुबान ने अपने बयानों से देश को शर्मसार कर दिया था। इसको लेकर चुनाव आयोग ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी, आजम खान और मायावती को 72 और 48 घंटों के लिए बैन किया था। गुजरात में हुए विधानसभा चुनाव से पहले कांगेस नेता मणिशंकर अय्यर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। हालांकि अपने बयान के बाद मणिशंकर अय्यर ने माफी मांग ली थी। गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी राहुल गांधी के मंदिरों में बैठने के तरीके और पूजा पर कमेंट किया। बात यहां तक बढ़ी कि राहुल गांधी के गैर-हिंदू से लेकर जनेऊ संस्कार तक को निशाने पर ले लिया गया।

मेरठ में एक कार्यक्रम के भाजपा नेता साक्षी महाराज ने कहा कि देश की आबादी हिंदुओं की वजह से नहीं बढ़ रही है, यह कुछ समुदाय के लोगों की वजह से बढ़ रही है, जो चार पत्नी रखते हैं और 40 बच्चे पैदा करते हैं। भाजपा नेता दयाशंकर सिंह ने बसपा सुप्रीमो मायावती को पर ऐसा बयान दिया था जिसको लेकर उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाना पड़ा था। मायावती पर पार्टी का टिकट बेचने का आरोप लगाते हुए दयाशंकर सिंह ने कहा था कि बदतर चरित्र की आज मायावतीजी हो गईं हैं। नेताओं की गंदी होती जुबान और उस पर पार्टी नेतृत्व की तरफ से अंकुश न लगाया जाना समाज के लिए बेहद घातक हो सकता है। सोशल मीडिया के इस दौर में ऐसे आपत्तिजनक बयान तेजी से वायरल होते हैं, जो लोगों की सोच को प्रभावित करते हैं। अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने वाले नेताओं को पार्टी से बर्खास्त कर देना चाहिए। साथ ही यह नियम भी होना चाहिए कि एक पार्टी से निकाले जाने के बाद उसे दूसरे पार्टी की सदस्यता न मिल सके। ऐसा होने से जो नेता अभी अमर्यादित भाषा बोल रहे हैं, उनकी बदजुबानी पूरी तरह बंद हो जाएगी।

-योगेंद्र योगी

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि राजमहल के सब दरवाजे (फाटक) सुंदर हैं, जिनमें वज्र के (मजबूत अथवा हीरों के चमकते हुए) किवाड़ लगे हैं। वहाँ (मातहत) राजाओं, नटों, मागधों और भाटों की भीड़ लगी रहती है। घोड़ों और हाथियों के लिए बहुत बड़ी-बड़ी घुड़सालें और गजशालाएँ (फीलखाने) बनी हुई हैं, जो सब समय घोड़े, हाथी और रथों से भरी रहती हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

सूर सचिव सेनप बहुतेरे। नृपगृह सरिस सदन सब केरे॥
पुर बाहेर सर सरित समीपा। उतरे जहँ तहँ बिपुल महीपा॥

बहुत से शूरवीर, मंत्री और सेनापति हैं। उन सबके घर भी राजमहल सरीखे ही हैं। नगर के बाहर तालाब और नदी के निकट जहाँ-तहाँ बहुत से राजा लोग उतरे हुए (डेरा डाले हुए) हैं॥

देखि अनूप एक अँवराई। सब सुपास सब भाँति सुहाई।
कौसिक कहेउ मोर मनु माना। इहाँ रहिअ रघुबीर सुजाना॥

आमों का एक अनुपम बाग देखकर, जहाँ सब प्रकार के सुभीते थे और जो सब तरह से सुहावना था, विश्वामित्रजी ने कहा- हे सुजान रघुवीर! मेरा मन कहता है कि यहीं रहा जाए॥

भलेहिं नाथ कहि कृपानिकेता। उतरे तहँ मुनि बृंद समेता॥
बिस्वामित्र महामुनि आए। समाचार मिथिलापति पाए॥

कृपा के धाम श्री रामचन्द्रजी बहुत अच्छा स्वामिन कहकर वहीं मुनियों के समूह के साथ ठहर गए। मिथिलापति जनकजी ने जब यह समाचार पाया कि महामुनि विश्वामित्र आए हैं,॥

(क्रमशः..)

कांग्रेस के कुए में है भंग- ऐसा बोले उमंग

जनजातीय समाज को नगरीय समाज से तोड़ने का प्रयास एक कथित नगरीय वर्ग (अर्बन नक्सलाइट्स) का षड्यंत्र ही है। सिंगार का यह कथन उस कथित अर्बन नक्सलाइट्स के षड्यंत्र का भाग ही है जो रावण दहन, महिषासुर, माँ दुर्गा के असुर वध, के नाम पर किया जा रहा है।

कांग्रेस की सबसे बड़ी समस्या यही है! कांग्रेस पर सदैव ही कोई न कोई वेताल सवार रहता है!! कभी कम्युनिस्ट, कभी टेररिस्ट, कभी नक्सलाइट, कभी अर्बन नक्सलाइट !!! कांग्रेस पर सवार ये वेताल कभी-कभी दिखते भी हैं किंतु अधिकांशत: ये अदृश्य ही रहते हैं। ये वेताल बहुधा ही कांग्रेस के प्रवक्ताओं की भाषा में झलकते भी रहते हैं। अब मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का उदाहरण ही ले लो। उमंग बोले- हम आदिवासी हैं, हम हिंदू नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मैं ये बात कई सालों से कहता आ रहा हूं। सिंगार ने यह घोर असत्य कहा किंतु उन्होंने एक अपने व्यक्तव्य में एक सत्य भी कहा - शबरी भी आदिवासी थीं जिन्होंने श्रीराम को बेर खिलाए थे। अब जब, सकल हिंदू समाज के आराध्य श्रीराम आदिवासी शबरी के झूठे प्रेम उनके संग धरा पर बैठकर सम्मान और प्रेमपूर्वक खा रहे हैं तो भला किसी भी हिंदू के लिए ये जनजातीय बंधु बेगाने, पराये या विधर्मी कैसे हो सकते हैं?! शबरी और शबरी के सभी वंशज सकल हिंदू समाज हेतु वर्णीय, स्वीकरणीय, आदरणीय ही हैं।

जनजातीय समाज जिस प्रकार से प्रकृति की, सूर्य की, गाय की, फसल की पूजा करता है वह शैली सकल हिंदू समाज की पूजा पद्धति में नाना प्रकार से परिलक्षित होती है।

जनजातीय समाज को नगरीय समाज से तोड़ने का प्रयास एक कथित नगरीय वर्ग (अर्बन नक्सलाइट्स) का षड्यंत्र ही है। सिंगार का यह कथन उस कथित अर्बन नक्सलाइट्स के षड्यंत्र का भाग ही है जो रावण दहन, महिषासुर, माँ दुर्गा के असुर वध, के नाम पर किया जा रहा है। कांग्रेस के मप्र नेता प्रतिपक्ष का यह षड्यंत्र वैसा ही है, जैसा जनगणना मे जनजातीय बंधु स्वयं को हिंदू न लिखाएँ, ऐसा कहकर किया जा रहा है। वस्तुत: ये सभी षड्यंत्र नगरों मे रहने वाला एक अर्बन नक्सलाईट, विघ्नसंतोषी, देशतोड़क, समाजविभाजक प्रकार का वर्ग कर रहा है।

हमारे लगभग सभी कस्बों, ग्रामों, नगरों के प्रारम्भ मे मिलने वाले खेड़ापति मंदिर जनजातीय देव परंपरा का ही एक अंग है। जनजातीय देव जैसे बड़ादेव, बुढ़ादेव, घुटालदेव, भैरमदेव, डोकरादेव, चिकटदेव, लोधादेव, पाटदेव, सियानदेव, ठाकुरदेव आदि देवता आज वनवासी समाज के अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों मे अन्य सभी जाति, समुदाय, वर्गों में भी पूजनीय देव माने जाते हैं।

जनजातीय समाज और शेष हिंदू समाज की देवी पूजा तो और भी अधिक परस्पर समान है। घाटमुंडीन देवी, दंतेश्वरी देवी, मावलीदेवी, गोदनामाता, आमादेवी, तैलंगदेवी, कंकाली माता, लोहराजमाता, सातवाहीन माता, लोहड़ीगुड़िन माता, दुलारीमाता, शीतलादई माता, घाटमुंडिन माता, परदेशी माता, हिंगलाजिन माता, बुढ़िमाता, करमकोटिन माता, महिषासुन मर्दिनी, कोट गढ़िन, लालबाई, फूलबाई, सतीमाता, काजली माता, महामाया देवी, परीमाता, अंबामाई, महालया देवी, जलदेवी, समलाया माता, बीजासनी माई, वामका माता, रोझड़ी माता, पीपला माता, बड़माता, आदि देवियां वनवासी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामों, क़स्बों, उपनगरीय व नगरीय क्षेत्रों मे भी सभी हिंदू समाजों द्वारा प्रमुखता से पूजी जाती है।

जनजातीय देव परंपरा का एक भाग ये भी है की ये हनुमानजी, गणेश जी, भेरुबाबा, गोगादेव, सिंगाजी, रामदेवजी आदि के भी पूजक होते गए व इन्हे पूजने के साथ साथ इन्हे अपने प्राकृतिक प्रतीकों मे मिलाते, घोलते चले गए। जनजातीय समाज की विभिन्न जातियों व अंतर्वर्गों ने इन देवताओं को परस्पर बाँट लिया व इन्हें विभिन्न प्रकार के अलग अलग वनीय वृक्षों पर स्थापित करते गए। जिस वनवासी वर्ग के देवता जिस प्रकार के वृक्ष पर निवास करते हैं उस जनजातीय वर्ग के लोग उस वृक्ष को न काटते हैं न काटने देते हैं।

सदा से प्रकृतिपूजक जनजातीय समाज सूर्य, चंद्रमा, पेड़ पौधों, नदी, पहाड़, गाय, बैल, नंदी, सांड, नाग, सांप, बाज, मयूर, उल्लू, नीलकंठ आदि को भी पूजनीय मानता है और इनकी रक्षा करता है। अवसर चाहे कोई भी हो, बच्चे का जन्म हो, मृत्यु हो, विवाह हो, फसल बोनी हो, कटनी हो, नए यंत्र की पूजा हो जनजातीय समाज बड़ादेव अर्थात् शिवशंकर की पूजा अवश्य ही करता है। नगरीय समाज के उमापति महादेव जनजातीय समाज के बड़ादेव के ही परिष्कृत व संशोधित रूप हैं।

अरण्यक समाज की चाकना परंपरा भी शेष हिंदू ग्रामीण परंपराओं से मेल खाती है। भारत के नागर समाज व अरण्यक समाज दोनों के ही प्राचीन इतिहास को देखें तो पता चलता है कि शिवलिंग का पूजन दोनों धाराओं मे समान रूप से होता रहा है।

भगवान श्रीराम के वनवास मे चौदह मे से दस वर्ष दंडकारण्य मे ही व्यतीत हुये हैं। जनजातीय समाज के मध्य श्रीराम का रम जाना, जनजातीय समाज अर्थात शैव समाज द्वारा श्रीराम के पक्ष मे युद्ध हेतु सहजता से उद्धत होना आदि आदि घटनाक्रम श्रीराम के शिवभक्त होने से ही फलित हुये हैं। निषाद, वानर, मतंग, किरात, जटायु व रीछ आदि उस समय के प्रमुख जनजातीय समाज थे जो राम की शिवभक्ति व लोकभक्ति से प्रभावित होकर राम के पक्ष मे आ खड़े हुये थे। कथित नगरीय समाज में इन दिनों व्याप रहे अर्बन नक्सलाईट और विघ्नसंतोषी लोग है जो बड़ादेव व शिव मे भेद करके सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के मार्ग मे बाधा बनना चाहता है।

अधिक उचित होगा कि उमंग सिंगार अपने कथन का खंडन करें व जनजातीय समाज को हिंदू समाज से काटने का प्रयास न करें।

- डॉ. प्रवीण गुगनानी
विदेश मंत्रालय, भारता सरकार में सलाहकार, राजभाषा

राशिफल

भाद्रपद माह, शुक्ल पक्ष द्वितिया — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
सिर दर्द व आंखों की परेशानी। मन की परेशानी। भयग्रस्त रहेगा मन। अज्ञात भय सताएगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
आय में मन मुताबिक स्थिति नहीं रहेगी। यात्रा कष्टकारी हो सकती है या मनचाही नहीं होगी। प्रेम-संतान पर ध्यान दें।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
कोर्ट-कचहरी से बचें। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। उच्चाधिकारियों से न उलझें। प्रेम, संतान ठीक है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
भाग्य पर भरोसा करके कोई काम न लें। मान हानि के संकेत हैं। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
जीवनसाथी के साथ व स्वास्थ्य पर ध्यान दें। जीवन में थोड़ी नकारात्मक ऊर्जा काम कर रही है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं से बचें। महत्वपूर्ण निर्णय अभी रोक दें। मानसिक परेशानी रहेगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
गृह कलह के बड़े संकेत हैं। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। उदर रोग या पैरों के रोग से परेशान हो सकते हैं।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
मानसिक दबाव बना रहेगा। अगर प्रेम में हैं तो प्रेम में दिक्कत रहेगी। बच्चों को लेकर परेशानी हो सकती है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। मानसिक दबाव बना रहेगा। भौतिक सुख-संपदा की स्थिति बहुच अच्छी नहीं रहेगी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
रोजी रोजगार के क्षेत्र में मध्यम समय है। नाक, कान व गला की परेशानी हो सकती है।

बाढ़ का खतरा घटा, बचाव व राहत अभी भी जारी

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मेधा रूपम के निर्देशों के क्रम में जिला प्रशासन द्वारा जनपद में यमुना नदी में घटते जल स्तर के दृष्टिगत व्यापक स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य किए जा रहे हैं। जनपद में कुल 20 ग्राम बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, जिनमें तहसील सदर के 12 ग्राम, तहसील दादरी के 06 ग्राम और तहसील जेवर के 02 ग्राम शामिल हैं। इन क्षेत्रों की कुल जनसंख्या लगभग 3845 है, जिनमें से 3465 लोग विभिन्न बाढ़ शरणालयों में रह रहे हैं। सभी विस्थापितों के लिए कम्युनिटी किचन के माध्यम से नाश्ता, लंच पैकेट और रात के भोजन की व्यवस्था की गई है।

अब तक 107 व्यक्तियों और 106 पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर रेस्क्यू किया गया है। बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों के लिए जनपद में बाढ़ कंट्रोल रूम 0120-2978231, 2978232, 2978233 तीन शिफ्टों में संचालित है। इन नंबरों की जानकारी मीडिया को भी उपलब्ध कराई गई है।

राहत कार्यों के तहत तहसील दादरी में 242 राहत किट और तहसील सदर में 470 राहत किट, कुल मिलाकर 712 राहत किट वितरित की जा चुकी हैं। इसके साथ ही जनपद में कुल 19 बाढ़ चौकियां स्थापित की गई हैं, जिनमें तहसील सदर में 6, दादरी में 8 और जेवर में 5 चौकियां शामिल हैं। इन चौकियों पर सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों/कर्मचारियों की ड्यूटी तीनों शिफ्टों में लगाई गई है।

जनपद में कुल 16 शरणालय संचालित हैं, जिनमें तहसील दादरी में 8, तहसील सदर में 6 और तहसील जेवर में 2 शरणालय शामिल हैं। इन शरणालयों में पेयजल, स्वच्छता, भोजन तथा पशुओं के लिए चारे की समुचित व्यवस्था एवं यमुना नदी में पानी का स्तर कम होने पर फागिंग की व्यवस्था राजस्व विभाग द्वारा कराई जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर और शरणालय बढ़ाए जाएंगे।

मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा 6 स्थानों पर 9 रेस्पॉन्स टीमों का गठन किया गया है, जो अलग-अलग शरणालयों में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रही हैं। बाढ़ कंट्रोल रूम में भी शिफ्टवार ड्यूटी सुनिश्चित की गई है। पर्याप्त मात्रा में एंटी स्नेक वेनम और आवश्यक दवाओं का प्रबंध किया गया है।

पशुओं के लिए सेक्टर-135 ग्रीन बेल्ट, पुश्ता रोड पर एक पशु शिविर स्थापित किया गया है, जहां लगभग 1471 गौवंश को सुरक्षित पहुंचाया गया है और उनका उपचार कराया जा रहा है।

राहत एवं बचाव कार्यों के लिए एनडीआरएफ की 1 टीम, एसडीआरएफ की 2 टीमें और पीएसी 44 बटालियन की 1 टीम कुल 4 बचाव दलों के साथ 16 नावों के जरिए बाढ़ प्रभावित इलाकों में तैनात हैं। इन टीमों के सहयोग के लिए आपदा मित्र और होमगार्ड भी तैनात किए गए हैं।

बच्चों की पढ़ाई के नाम पर 44.50 लाख रुपये की धोखाधड़ी, केस दर्ज

गाजियाबाद। विजयनगर सेक्टर-12 निवासी महिला ने परिवार के ही दंपती पर बेटों की पढ़ाई की बात कहकर 44.50 लाख रुपये हड़पने, वापस मांगने पर मारपीट करने, गाली गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। महिला ने पुलिस आयुक्त से मामले की शिकायत की और फिर पुलिस आयुक्त के आदेश पर विजयनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। एसीपी रितेश त्रिपाठी ने बताया कि विजयनगर थाना क्षेत्र स्थित सेक्टर-12 में निवासी महिला ने परिवार के ही दंपती व उनके बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। महिला के अनुसार आरोपी दंपती ने बेटों की पढ़ाई के नाम पर वर्ष 2012 में उनसे 44.50 लाख रुपये लिए थे लेकिन उक्त रकम से उन्होंने प्लाट खरीद लिया। इस बात की जानकारी होने पर जब पीड़िता ने अपने पैसे मांगें तो आरोपियों ने कहा कि जल्द ही वह प्लाट बेचने के बाद पैसे दे देंगे। महिला ने पुलिस को बताया कि हाल ही में जब उन्होंने आरोपी दंपती से कहा कि अब उनके बच्चे बड़े हो गए हैं और उन्हें पैसे की काफी जरूरत है तो आरोपियों ने 27 अगस्त 2025 को शाम करीब छह बजे घर में घुसकर गाली गलौज करते हुए मारपीट की।

स्वच्छता अभियान चलाया

दादरी (चेतना मंच)। दौलत राम कालोनी वार्ड न0 में नगर पालिका परिषद दादरी में डोर टू डोर की टीम स्वच्छता अभियान सुखा कचरा नीला डस्ट वीन और गीला कुडा हरा डस्ट वीन के बारे में जानकारी लोगों को दी गयी। इस मौके पर प्रभारी विजेन्द्र सिंह एवं भाजपा नेता विनोद प्रजापति मौजूद रहे।

होम इटू नोएडा कम्पनी के कर्मचारी करेंगे आंदोलन : सीटू

नोएडा (चेतना मंच)। मैसर्स- होम इटू बी- 96,106 एवं 109 नोएडा के कर्मचारियों ने कम्पनी प्रबंधकों द्वारा किए जा रहे आर्थिक शोषण, उत्पीड़न के खिलाफ आज सीटू कार्यालय सेक्टर- 8, नोएडा पर आम सभा कर आंदोलन की रूपरेखा पर चर्चा किया।

बैठक को संबोधित करते हुए सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि होम इटू के मालिकान श्रम कानूनों की धज्जियां उड़ाकर संस्थान को चला रहे हैं और मजदूरों का आर्थिक व मानसिक रूप से उत्पीड़न कर रहे हैं जिसकी शिकायत हमारे संगठन द्वारा उप श्रमायुक्त गौतम बुद्ध नगर से लिखित में की हुई है जिस पर समस्याओं के समाधान हेतु श्रम कार्यालय में 10 सितंबर 2025 को वार्ता की तिथि लगाई हुई है। वार्ता में ट्रेड यूनियन रंजिश मानकर श्रमिक अरुण पटेल को गैरकानूनी तरीके से कार्य से रोके जाने, बोनस व ओवर टाइम का कानूनी भुगतान और सभी श्रमिकों के नाम मास्टर रोल पर दर्ज कर श्रम कानूनों के तहत मिलने वाली सभी विधिक सुविधा का लाभ दिए जाने सहित सभी मुद्दों को उठाया जाएगा। वार्ता के माध्यम से उक्त समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो संस्थान स्तर पर आंदोलन शुरू कर दिया जाएगा।

सभा को संबोधित करते हुए सीटू जिला महासचिव रामसागर ने कर्मचारियों को संगठित होकर लड़ने के लिए प्रेरित किया।

दर्द की दवा से बेहतर है फिजियोथेरेपी

दवाईयां देती हैं अस्थाई राहत, फिजियोथेरेपी जड़ से करती है ठीक : डॉ. प्रीति हांडा

डॉ. प्रीती हांडा

नोएडा (चेतना मंच)। बदलती जीवनशैली, बढ़ते तनाव और लंबे समय तक बैठे रहने की आदत के कारण आज लोगों में कमर-दर्द, गर्दन-दर्द, जोड़ों की समस्या और मांसपेशियों की कमजोरी आम बात है। ऐसे में फिजियोथेरेपी एक कारगर इलाज है। फेलिक्स अस्पताल के वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट डॉ.प्रीती हांडा और डॉ. जाहिद खान ने बताया कि 8 सितंबर को विश्व फिजियोथेरेपी दिवस मनाया जाता है।

फिजियोथेरेपी में शरीर की समस्याओं का इलाज बिना दवाइयों और सर्जरी के किया जाता है। इसका उद्देश्य केवल दर्द कम करना नहीं बल्कि मांसपेशियों और जोड़ों की गतिशीलता को बढ़ाना और जीवन की गुणवत्ता को सुधारना है।

लोग अक्सर दर्द की दवा खाकर समस्या को टालते हैं, लेकिन दवाइयां केवल अस्थायी राहत देती हैं। फिजियोथेरेपी शरीर की जड़ तक जाकर समस्या को ठीक करती है। नियमित फिजियो से मरीज दवा और सर्जरी से बच सकता है। खासतौर पर बुजुर्ग और ऑफिस में लंबे समय तक काम करने वाले लोगों को इसे जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए।

फिजियोथेरेपी आज केवल इलाज नहीं बल्कि स्वस्थ जीवन की कुंजी है। यह दवा और सर्जरी पर निर्भरता कम करके शरीर की प्राकृतिक क्षमता को जगाती है। फिजियोथेरेपी का उपयोग अनेक बीमारियों और स्थितियों में किया जाता है। अगर लगातार पीठ या गर्दन का दर्द, जोड़ों में सूजन व अकड़न, चलने-फिरने में कठिनाई, सर्जरी के बाद मांसपेशियों की जकड़न, लकवे के बाद अंगों का काम न करना या स्पोर्ट्स इंजरी के बाद दर्द न घटना जैसी समस्या हो तो फिजियोथेरेपी तुरंत शुरू करनी चाहिए। शुरुआती चरण में इलाज करने से बीमारी बढ़ने से रुकती है और दवा या सर्जरी की जरूरत काफी हद तक टलती है।

फिजियोथेरेपी बेहद फायदेमंद है, लेकिन यह स्वयं-उपचार का साधन नहीं है। सही बीमारी की पहचान और मरीज की स्थिति समझने के बाद ही इसका कोर्स तय किया जाना चाहिए। इसलिए हमेशा फिजियोथेरेपिस्ट की सलाह पर ही फिजियोथेरेपी शुरू करनी चाहिए। विशेषज्ञ डॉक्टर यह तय करते हैं कि कौन-सा व्यायाम, कितनी देर और किस तकनीक से किया जाए।

गांव की जमीनों पर बसा नोएडा, लेकिन गांव वाले मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे

अध्यक्ष सुभाष भाटी का आरोप

नोएडा (चेतना मंच)। ग्राम गढ़ी शहदरा एवं शहदरा की उपेक्षा पर ग्राम विकास समिति गढ़ी शहदरा के अध्यक्ष श्री सुभाष भाटी ने गंभीर आरोप लगाए हैं। भाटी ने कहा कि गांव में तैनात 28 सफाई कर्मचारियों में रोजाना 7-8 गैरहाजिर रहते हैं, कई कर्मचारी केवल फोटो खिंचवाकर चले जाते हैं। यह बड़ा घोटाला है, जिसकी शिकायत बार-बार करने पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

उन्होंने बताया कि कूड़े की गाड़ी समय पर नहीं आती, ड्राइवर होटल से पैसे लेने में व्यस्त रहते हैं। 15 साल पहले डाली गई सीवर लाइन अब तक मेन लाइन से नहीं जुड़ी, जिससे लगातार ओवरफ्लो हो रहा है। वर्षों से सीवर की सफाई नहीं हुई, कई सीवर रोड के नीचे दबे हैं।

सुभाष भाटी ने कहा कि हमारे गांव की जमीनों पर नोएडा बसा है, लेकिन हमें ही बदबू और गंदगी में जीने को मजबूर किया जा रहा है। अधिकारी गांव की समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं देते।

उन्होंने जिला प्रशासन एवं नोएडा प्राधिकरण से तत्काल हस्तक्षेप कर समस्याओं का समाधान करने और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की।

नोएडा — नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण

मुख्य प्रशासनिक भवन, सैक्टर-6 नौएडा-201301 (उ.प्र.)
वेबसाइट: www.noidaauthorityonline.in

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

अर्ह निविदाकारों से निम्न जॉब हेतु ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है, जिन्हें निम्नानुसार तिथियों तक अपलोड किया जा सकता है एवं प्राप्त ई-निविदाओं को उनके सम्मुख दर्शायी गई तिथियों पर खोला जाएगा। निविदा संबन्ध में समस्त विवरण व शर्तें नौएडा प्राधिकरण की अधिकारिक website: www.noidaauthorityonline.in & https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधित एवं अतिरिक्त सूचनाओं के लिए उक्त वेबसाइट देखते रहें।

ए) फेस-टेण्डर कार्य :-

क्र. स.	जॉब संख्या	कार्य का नाम	निविदा की धनराशि (रू लाख में)
1	17/उ0म0प्र0/वरि0प्र (व0स0-1)/2025-26	अन्य अनुरक्षण कार्य (वर्क सर्किल-1 के कार्यक्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर बस सैल्टरन की मरम्मत कार्य), नौएडा।	19.24
2	02/वरि0प्र/(व0स0-8)/ई0नि0/2025-26	भवनों का अनुरक्षण (सैक्टर-93 में सुपर एम0आई0जी0 के सामुदायिक केन्द्र में किचन शेड बनाने का कार्य), नौएडा।	11.96

उपरोक्त निविदा को दिनांक 23.09.2025 सायं 5.00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदाओं की प्री-क्वालिफिकेशन दिनांक 24.09.2025 को 11.00 बजे खोली जायेगी।

बी) रि-टेण्डर कार्य:-

क्र. स.	जॉब संख्या	कार्य का नाम	निविदा की धनराशि (रू लाख में)
3	58/उ0म0प्र0/वरि0प्र (व0स0-10)/ई0नि0/2023-24	नौएडा-ग्रेटर नौएडा एक्सप्रेस-वे के दोनों तरफ सैक्टर-144 से 148 एवं 162 से 150 हिण्डन नदी तक पूर्व निर्मित नालों का टोपोग्राफिकल सर्वे एवं लेवलिंग का कार्य, नौएडा।	4.20
4	08/उ0म0प्र0/वरि0प्र(व0स0-9)/ई0नि0/2025-26	ग्राम विकास कार्य (ग्राम रोहिल्लापुर सैक्टर-132 के बारातघर में मल्टीप्रपज हॉल मरम्मत, फर्श का उच्चीकरण, टॉयलेट की मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्य), नौएडा।	19.01
5	16/उ0म0प्र0/वरि0प्र (व0स0-2)/ई0नि0/2025-26	नालियों का अनुरक्षण (सैक्टर-18 में बने हार्वेस्टिंग पिट को पुनः विकसित किये जाने का कार्य), नौएडा।	4.20

उपरोक्त निविदा को दिनांक 15.09.2025 सायं 5.00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदाओं की प्री-क्वालिफिकेशन दिनांक 16.09.2025 को 11.00 बजे खोली जायेगी।

उप महाप्रबन्धक (सिविल)
नौएडा।

स्वच्छ, हरित, सकुशल, सुरक्षित नौएडा

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, ओमेगा-1, (पी-2), ग्रेटर नौएडा
Toll Free No. 18001808296 वेबसाइट : www.yamunaexpresswayauthority.com

पत्रांक : वाई.ई.ए/भूलेख/27/2025 दिनांक: 02.09.2025

सार्वजनिक सूचना

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा ग्राम मुढरह के सैक्टर- 8, ग्राम थोरा के सैक्टर-8डी, ग्राम भीकनपुर व कलूपुरा के सैक्टर-5 के अन्तर्गत आने वाली भूमि का सुनियोजित विकास हेतु सम्बन्धित कृषकों द्वारा दी गयी सहमति की दर रू0 3808/- प्रति वर्गमी० से प्राधिकरण द्वारा शासनादेश संख्या-314/77-3-163एम, दिनांक 23.02.2016 में तय प्रक्रियानुसार निम्नानुसार क्रय किया जाना प्रस्तावित है:-

क्रम सं.	सैक्टर/ग्राम का नाम	खाता संख्या	खसरा संख्या	खसरे का कुल क्षेत्रफल (हे0 में)	खातेदार का नाम व पता	तहसील से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर काश्तकार का हिस्सा	काश्तकार का विक्रय हेतु क्षेत्रफल (हे0 में)
1.	सैक्टर 8 (मुढरह)	372	636	1.5020	अनिल कुमार गर्ग पुत्र प्रमोद पाल गर्ग, नि०	में से	0.1877
2.	सैक्टर 8 (मुढरह)	57 374 374 374	653 645 633 659	1.1260 0.4300 0.3040 0.3040	अरूण कुमार सिंह पुत्र श्री इन्द्रपाल सिंह, नि० ग्राम मुढरह	में से में से में से में से	0.0938 0.0090 0.0063 0.0064
3.	सैक्टर 8 (मुढरह)	374	633	0.3040	शैलेन्द्र पुत्र इन्द्रपाल, नि० मुढरह	में से	0.0064
4.	सैक्टर 8 (मुढरह)	163	457क 450क 452क 447क 453क	0.1360 0.1900 0.0950 0.0350 0.0530	रविन्द्र पुत्र चन्द्रपाल, नि० मुढरह	में से में से में से में से में से	0.0227 0.0317 0.0158 0.0058 0.0088
5.	सैक्टर 8 (मुढरह)	163	453क 447क 452क 450क 457क	0.0530 0.0350 0.0950 0.1900 0.1360	कृष्णा पुत्र चन्द्रपाल, नि० मुढरह	में से में से में से में से में से	0.0088 0.0058 0.0159 0.0316 0.0227
6.	सैक्टर 8 (मुढरह)	163	452क 447क 453क 450क 457क	0.0950 0.0350 0.0530 0.1900 0.1360	प्रेमवती देवी पत्नी चन्द्रपाल सिंह, नि० मुढरह	में से में से में से में से में से	0.0158 0.0059 0.0089 0.0317 0.0226
7.	सैक्टर 8 (मुढरह)	163	447क 452क 453क 450क 457क	0.0350 0.0950 0.0530 0.1900 0.1360	नेपाल पुत्र चतर सिंह, नि० मुढरह	में से में से में से में से में से	0.0087 0.0237 0.0132 0.0475 0.0340
8.	सैक्टर 8 (मुढरह)	163	447क 452क 453क 450क 457क	0.0350 0.0950 0.0530 0.1900 0.1360	कृपाल पुत्र चतर सिंह, नि० मुढरह	में से में से में से में से में से	0.0088 0.0238 0.0133 0.0475 0.0340
9.	सैक्टर 8(मुढरह)	39	477	1.2050	कन्छी पुत्र गनपत, नि० मुढरह	में से	0.8033
10.	सैक्टर 8(मुढरह)	4	660	1.6510	महादेई पत्नी सुजान सिंह, नि० मुढरह।	में से	0.1687
11.	सैक्टर 8 (मुढरह)	97 372 373 374	623 631 632 633	1.6170 0.2280 0.3540 0.3040	जयकुमार पुत्र श्यौराज, नि० मुढरह।	में से में से में से में से	0.2021 0.0095 0.0147 0.0095
12.	सैक्टर 8 (मुढरह)	97	623	1.6170	राहुल मोहता पुत्र घनश्याम मोहता, नि० गाजियाबाद।	में से	0.0269
13.	सैक्टर 8 (मुढरह)	97	623	1.6170	गोविन्द प्रसाद पारीक पुत्र मुरलीधर, नि० गाजियाबाद।	में से	0.0269
14.	सैक्टर 8 (मुढरह)	97	623	1.6170	शुभम गुप्ता पुत्र मुकेश गुप्ता, नि० गाजियाबाद।	में से	0.0135
15.	सैक्टर 8 (मुढरह)	97	623	1.6170	मोहित गुप्ता पुत्र मुकेश गुप्ता, नि० गाजियाबाद।	में से	0.0135
16.	सैक्टर 8 (मुढरह)	290	474मि	0.1390	सुन्दर पुत्र धनीराम, नि० मुढरह।	में से	0.0695
17.	सैक्टर 8 (मुढरह)	180 134	470 475	0.6070 1.1490	चन्द्रपाल पुत्र शीशराम, नि० मुढरह, जेवर, गौतमबुद्धनगर।	में से में से	0.0507 0.1278
18.	सैक्टर 8डी (थोरा)	473 793 525	1112 941म 1073	0.8790 0.7390 0.2340	रणधीर सिंह पुत्र मुसददी सिंह, नि० थोरा।	में से में से में से	0.2197 0.1232 0.1170
19.	सैक्टर 8डी (थोरा)	473 793 525	1112 941म 1073	0.8790 0.7390 0.2340	ईश्वर कुमार पुत्र समय सिंह, नि० बस्कुशला तह व जिला-गुडगाँव।	में से में से में से	0.1099 0.0617 0.0585
20.	सैक्टर 8डी (थोरा)	793 473 525	941म 1112 1073	0.7390 0.8790 0.2340	टीकम पुत्र समय सिंह, नि० बस्कुशला तह० व जिला-गुडगाँव।	में से में से में से	0.0617 0.1099 0.0585
21.	सैक्टर 8डी (थोरा)	735 734 734	1047 968 973	0.9110 0.6280 0.8360	राकेश कुमार पुत्र मलखान, नि० थोरा।	मे से में से में से	0.0455 0.0314 0.0418
22.	सैक्टर 8डी (थोरा)	735 734 734	1047 973 968	0.9110 0.8360 0.6280	रतन सिंह पुत्र तुलसी सिंह, नि० थोरा।	में से में से में से	0.1707 0.0202 0.0785
23.	सैक्टर 8डी (थोरा)	734 734 735	968 973 1047	0.6280 0.8360 0.9110	गुड्डी पत्नी उमेश व गोपाल ना० बा० आयु 12 वर्ष पुत्र उमेश संरक्षक माता गुड्डी, नि० थोरा।	में से में से में से	0.0314 0.0418 0.0456
24.	सैक्टर 8डी (थोरा)	253	1113/2	3.9930	जुगैन्द्र सिंह पुत्र सरदार सिंह, नि० थोरा।	में से	1.8845
25.	सैक्टर 8डी (थोरा)	472	1031	0.7170	मुन्नी देवी पत्नी बलवीर सिंह, नि० थोरा।	में से	0.3585
26.	सैक्टर 8डी (थोरा)	818	993	0.5690	अजय कुमार चौहान पुत्र चरण सिंह चौहान, नि० ग्राम गिझोड़, सैक्टर-53, नोएडा।	में से	0.1422
27.	सैक्टर 8डी (थोरा)	818	993	0.5690	उमा देवी पत्नी सुरेन्द्र सिंह, नि० डी-156, बी अरावली अपार्टमेन्ट सैक्टर-52, नोएडा।	में से	0.1423
28.	सैक्टर-05 (भीकनपुर)	41	137/3	0.2120	नत्थूलाल सागर (Huf) पुत्र तुलसीराम, नि० म० नं0 341 सै० 04 वैशाली वसुन्धरा गाजियाबाद।	सम्पूर्ण	0.2120
29.	सैक्टर-05 (भीकनपुर)	65	01	6.0100	रोहित वंसल पुत्र रामअवतार वंसल, नि० मोहल्ला काजीबाड़ा कस्बा जेवर।	में से	0.1687
30.	सैक्टर-05 (कलूपुरा)	114 113 245	764 765 766 770	0.0630 0.0510 0.1830 0.4050	नत्थूलाल सागर (Huf) पुत्र तुलसीराम, नि० म० नं० 341 सै0 04 वैशाली वसुन्धरा गाजियाबाद।	सम्पूर्ण सम्पूर्ण सम्पूर्ण सम्पूर्ण	0.0630 0.0510 0.1830 0.4050
31.	सैक्टर-05 (कलूपुरा)	16	1031	1.2580	शीतल सिंह पत्नी बलेंन्द्र कुमार, नि० रन्हेरा हाल नि० 123 मानस नगर आगरा शाहगंज ।	में से	0.1265

उपरोक्त भूमि क्रय किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह लिखित रूप में 15 दिन के अन्दर अधोहस्ताक्षरी को अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

विशेष कार्याधिकारी/डिप्टी कलेक्टर
यमुना एक्सप्रेसवे औद्यो० वि० प्राधिकरण।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मास्टर प्लान के अतिरिक्त प्लॉटिंग/हाउसिंग/कॉलोनी या किसी भी प्रकार का अन्य निर्माण पूरी तरह से अवैध हैं। सामान्यजन इस प्रकार की खरीद - फरोख्त से पूर्णतः सचेत रहें तथा कॉलोनाइजर के भ्रामक विज्ञापनों से बचें। अधिक जानकारी के लिए प्राधिकरण की वेबसाइट www.yamunaexpresswayauthority.com देखें।

वीडियो कॉल पर भाभी से करता था अश्लील बातें, भाई ने दबा दिया गला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा पुलिस ने ग्रेटर नोएडा में हुए एक सनसनी हत्याकांड का खुलासा किया है। ग्रेटर नोएडा पुलिस ने इस मामले में (25 वर्षीय) एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है जिसने बीते दिनों अपने चचेरे भाई की हत्या कर उसके शव को नाले में बहा दिया था। पूछताछ में पुलिस को पता चला है कि मृतक चचेरा भाई अपनी भाभी को अलग-अलग नंबरों से वीडियो कॉल कर उससे अश्लील बातें करता था तथा अपने भाई की पत्नी पर बुरी नजर रखता था।

ग्रेटर नोएडा की थाना बिसरख पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस व इलेक्ट्रानिक सर्विलांस की मदद से इकरार सैफी उर्फ मोटा पुत्र फकीरा सैफी को ग्रेटर नोएडा के पैरामाउंट चौराहे के पास से गिरफ्तार किया है। इकरार को थाना बिसरख पुलिस ने हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। पूछताछ में इकरार सैफी ने बताया कि वह तथा मृतक नसीम दोनों चचेरे भाई थे। दोनों लोग शादीशुदा थे। ग्राम एमनाबाद में करीब 4 वर्षों से किराए के मकान पर अलग-अलग कमरे में रहते थे और दोनों अलग-अलग कारपेंटर का कार्य करते थे। हत्यारोपी इकरार ने बताया कि मृतक नसीम उसकी पत्नी के मोबाइल फोन पर अलग-अलग नंबरों पर वीडियो कॉल कर उसे अश्लील बातें करता था और उसकी पत्नी पर बुरी नजर रखता था।

इकरार ने बताया कि उसने इस मामले में नसीम को काफी समझाया लेकिन वह नहीं माना। 2 सितंबर को वह अपने दोस्तों के साथ एमनाबाद में नाले के पास क्रिकेट के मैदान में था, तभी उसकी पत्नी का फोन आया कि नसीम ने अलग-अलग नंबरों से वीडियो कॉल कर उसे परेशान कर रखा है। पत्नी की बात सुनकर उसे गुस्सा आ गया और उसने नसीम को कॉल कर कहीं जाने के बहाने से क्रिकेट मैदान बुला लिया। नसीम अपनी मोटरसाइकिल से क्रिकेट मैदान में पहुंचा और वह दोनों जलपुरा गांव से पहले बिजली घर के पास पहुंचे और मोटरसाइकिल रोक कर खड़ी कर दी। जब उसने नसीम से अपनी पत्नी को परेशान करने के बारे में पूछा और उसका फोन मांगने लगा तो दोनों में धक्का मुक्की होने लगी। इसी दौरान उसने नसीम को पकड़कर जमीन पर पटक दिया और गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। उसने नसीम की जेब से उसका आधार कार्ड, वोटर कार्ड, पैन कार्ड, फोटो निकाला और उसके शव को पास के नाले में धकेल दिया।

थाना बिसरख पुलिस ने आरोपी इकरार के पास से मृतक नसीम का आधार कार्ड, वोटर कार्ड, पैन कार्ड, फोटो व मोटरसाइकिल की चाबी बरामद की है।

सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम 17 से : मनोज प्रधान

नोएडा (चेतना मंच)। आगामी 17 सितंबर से 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक पूरे जिले में सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह बात भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मनोज प्रधान ने कही है।

उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है और इसी दिन से पार्टी कार्यकर्ता सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन करेंगे जो पूरे जिले के सभी गांव सेक्टरों एवं ब्लॉकों में शुरू होगा। उन्होंने कहा कि 2 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन होगा। उन्होंने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं पदाधिकारी एवं फ्रंटल एवं मोर्चा के पदाधिकारी से अपील करते हुए कहा है कि सभी लोग सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करें और कार्यक्रम को भव्य बनाने के अभियान में जुटें।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने चलाया आवारा पशुओं को पकड़ने का अभियान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने आज सेक्टरों एवं मार्केट में अभियान चलाकर आवारा पशुओं को पकड़ने का काम प्रारंभ किया है।

बताते चलें कि आज एक व्यक्ति को आवारा पशु हमला कर उन्हें घायल कर दिया जिससे लोग नाराज हो गए और मामले की शिकायत ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से की गई। सामाजिक कार्यकर्ता हरेंद्र भाटी ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों को मामले का संज्ञान दिया जिस पर अधिकारियों ने संज्ञान लेकर आवारा पशुओं को पकड़ने का अभियान शुरू कर दिया। जल एवं गौशाला विभाग के जीएम राजेश कुमार ने बताया कि आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए कई टीमों का गठन कर अलग-अलग क्षेत्र में लगाया गया है और यह क्रम निरंतर अब जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि आवारा पशुओं को पकड़ने का अभियान और तेज किया जाएगा जिससे किसी भी व्यक्ति को आवारा पशु छति ने पहुंचा सकें।

समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश-2047 संवाद कार्यक्रम का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश को वर्ष 2047 तक विकसित राज्य के रूप में स्थापित करने के संकल्प को साकार करने की दिशा में 'समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश -2047' संवाद कार्यक्रम का आयोजन गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में किया गया। यह आयोजन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप एवं विज़न डॉक्यूमेंट 2047 के उद्देश्य को जन-जन तक पहुँचाने के लिए संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी मेधा रूपम, मुख्य विकास अधिकारी डॉक्टर शिवाकांत द्विवेदी सहित सभी मुख्य अतिथियों सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी प्रशांत त्रिवेदी, सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी दिनेश त्यागी, सेवानिवृत्त कृषि निदेशक स्वराज सिंह तथा सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता विद्युत विभाग मनोज कुमार अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

इसके उपरांत जिलाधिकारी मेधा रूपम ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। जिलाधिकारी ने अपने स्वागत संबोधन के दौरान कहा कि 'विजन डॉक्यूमेंट 2047 का मुख्य उद्देश्य प्रदेश की जनता को विकास यात्रा का सहभागी बनाते हुए जागरूकता फैलाना है, ताकि प्रत्येक नागरिक राज्य की प्रगति में गर्वपूर्वक योगदान दे सके। प्रदेश के उद्यमी, व्यापारी, श्रमिक, शिक्षक, छात्र एवं कृषक ही विकसित उत्तर प्रदेश की वास्तविक धुरी हैं। इनके सुझाव एवं भागीदारी से ही विकसित उत्तर प्रदेश-2047 का संकल्प साकार होगा।'

संवाद कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने यह भी अवगत कराया कि जनता अपने बहुमूल्य सुझाव क्यूआर कोड के माध्यम से सीधे उत्तर प्रदेश सरकार तक पहुँचा सकती है। उन्होंने यमुना नदी के बढ़े जलस्तर से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए आगे आने वाले जनपद के उद्यमियों और व्यापारियों की सराहना भी की।

इस अवसर पर विभिन्न लक्षित समूहों जैसे छात्र, शिक्षक, व्यवसायी, उद्यमी, कृषक, स्वयंसेवी संगठन, श्रमिक संगठन, मीडिया प्रतिनिधि तथा आम नागरिक ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शासकीय सेवाओं से सेवानिवृत्ति वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों से संबंधित उपलब्धियों व योजनाओं की जानकारी साझा की और प्रतिभागियों के प्रश्नों का सहजता से उत्तर दिया। साथ ही, उपस्थित जनसमुदाय से यह भी सुझाव प्राप्त किए गए कि किस प्रकार उत्तर प्रदेश को 2047 तक विकसित राज्यों की श्रेणी में अग्रणी बनाया जा सकता है।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा सभी अतिथियों को मोमेंटो एवं ओडीओपी उत्पाद भेंट स्वरूप प्रदान किए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी विशिष्ट अतिथियों, प्रबुद्ध नागरिकों, छात्र-छात्राओं तथा विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

यह संवाद कार्यक्रम प्रदेश की विकास यात्रा में एक महत्त्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ, जहाँ जनता की आकांक्षाओं और सरकार के संकल्प ने मिलकर वर्ष 2047 तक विकसित उत्तर प्रदेश की नींव को और मजबूत किया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 शिवाकांत द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, उपनिदेशक कृषि राजीव कुमार, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी कुमुद चौधरी, जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, अन्य प्रशासन एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी गण उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट के आदेश का पालन करना प्राधिकरण को पड़ा भारी, जवाब तलब

दोषी अधिकारियों पर गिर सकती है गाज

नोएडा एक उत्कृष्ट क्षेत्र

नोएडा (चेतना मंच)। वर्क सर्किल-2 द्वारा वेंडिंग जोन आवंटन के मामले में गलत जानकारी देना प्राधिकरण के कई अफसरों पर भारी पड़ गया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस मामले की अदालत की अवमानना मानते हुए अधिकारियों से जवाब तलब किया है। यह मामला बोटेनिकल गार्डेन वेंडिंग जोन से जुड़ा है।

दरअसल एक दुकानदार ने प्राधिकरण की सुनवाई समिति से शिकायत की थी कि उसका नाम वेंडर जोन में शामिल है पर उसे अभी तक दुकान का आवंटन नहीं किया गया। जब समिति ने इसका जवाब मांगा तो वर्क सर्किल 2 के प्रबंधक ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि इस दुकानदार को जगह आवंटित की जा चुकी है। प्राधिकरण के अफसरों का कहना था कि दुकानदार का नाम वेंडिंग जोन में ही शामिल नहीं था ऐसे में उसे दुकान आवंटित नहीं की जा सकती है।

दुकानदार ने इस रिपोर्ट को आधार बनाकर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हाईकोर्ट ने प्राधिकरण को उस दुकानकार को कब्जा देने का आदेश दिया। अदालत का यह आदेश कुछ अधिकारियों द्वारा प्राधिकरण के सामान्य प्रशासन तथा विधि विभाग को भेजा नहीं गया।

हाईकोर्ट ने इसे अदालती आदेश की अवमानना माना। इस मामले में अब हाईकोर्ट ने नोएडा प्राधिकरण से इस मामले की समूची रिपोर्ट तलब की है।

बताया जाता है कि इस मामले में लापरवाही बरतने वाले कुछ अधिकारियों पर गाज गिरना तय माना जा रहा है। फिलहाल इस मामले में शीर्ष अफसर चुप्पी साधे बैठे हैं।

पृष्ठ एक के शेष....

नेपाल में हिंसा...

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लगाया गया बैन हटा लिया है और इन्हें धीरे-धीरे बहाल किया जाएगा।

नेपाल की ओली सरकार में अस्थिरता का दौर जारी है। Gen-Z के प्रोटेस्ट के बीच एक और मंत्री ने पद से इस्तीफा दे दिया है। ओली सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे प्रदीप पौडेल ने पद से इस्तीफा दे दिया है। वह देश में लगातार हो रहे प्रोटेस्ट के बाद कैबिनेट से इस्तीफा देने वाले तीसरे मंत्री हैं। इससे पहले नेपाल के गृहमंत्री और कृषि मंत्री ने भी इस्तीफा दे दिया था।

काठमांडू में विरोध प्रदर्शनों के बीच सूचन एवं संचार मंत्री के निजी निवास पर प्रदर्शनकारियों ने आग लगा दी। आरोप है कि सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के फैसले में मंत्री की अहम भूमिका रही, जिसके चलते यह हमला किया गया।

घटना के बाद पुलिस ने तुरंत दमकल की गाड़ियां मौके पर भेजीं और आग बुझाने की कोशिश शुरू की। हालांकि कर्फ्यू लागू होने के बावजूद शहर के कई इलाकों में प्रदर्शन जारी हैं। राजधानी में हालात लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं और प्रशासन अलर्ट पर है। नेपाल में सभी बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फिर से शुरू कर दिए गए हैं। लोग अब इसका इस्तेमाल कर रहे हैं।

नेपाल में भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर पाबंदी के खिलाफ युवाओं के विरोध प्रदर्शन के हिंसक हो जाने से 20 लोगों की मौत हो गई एवं 347 घायल हो गए। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कई जगह झड़पें हुईं। काठमांडो में प्रदर्शनकारी संसद भवन परिसर में घुस गए और तोड़फोड़ की। विरोध प्रदर्शन पोखरा, बुटवल, भैरहवा, भरतपुर, इटाहारी और दमक तक फैल गया। हालात काबू में करने के लिए काठमांडो समेत कई शहरों में कर्फ्यू लगाने के साथ सेना को तैनात करना पड़ा। बेकाबू हिंसा के बाद नेपाली गृह मंत्री रमेश लेखक को इस्तीफा दे दिया। लेकिन, देर रात नेपाल सरकार झुकी और सोशल मीडिया से प्रतिबंध हटा दिया।

उपराष्ट्रपति चुनाव ..

542 और राज्यसभा के 239 सदस्य वोट डालेंगे। बहुमत के लिए 391 वोटों की जरूरत है।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहला वोट डाला। वोट डालने के बाद पीएम मोदी संसद भवन से रवाना हो गए। प्रधानमंत्री आपदा प्रभावित राज्य हिमाचल प्रदेश और पंजाब के दौरे पर गए हैं। प्रधानमंत्री के बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, हरदीप पुरी, जितेन्द्र सिंह, कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, लोकसभा विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी, सहित राज्यसभा और लोकसभा के सांसदों ने वोट डाला। पूर्व प्रधानमंत्री और राज्यसभा सांसद एचडी देवगौड़ा व्हिलचेयर पर बैठकर वोट डालने संसद भवन पहुंचे।

वोटिंग का बहिष्कार

उपराष्ट्रपति चुनाव में पंजाब के फरीदकोट से निर्दलीय सांसद सरबजीत सिंह खालसा और खडूर साहिब से सांसद अमृपाल सिंह भी वोटिंग का बहिष्कार करेंगे।

ससुरालियों ने जबरन...

पप्पू के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। थाना प्रभारी का कहना है कि यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

बाइक सवार बदमाशों...

बाइक सवार दो लड़के व एक लड़की ने मोबाइल फोन छीन लिया और फरार हो गए। औरंगाबाद जनपद बुलंदशहर की रहने वाली संजना ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह घर से कंपनी में काम करने के लिए आ रही थी। इस दौरान सुनसान जगह पर डिस्कवर बाइक पर आए दो युवक व युवती ने उसके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया और फरार हो गए। उसने इस घटना की जानकारी तुरंत पुलिस को दी। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और बदमाशों की तलाश की जा रही है।

शराब के नशे में ...

सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल नेता पुत्र फकीरचंद को अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान नेता की मौत हो गयी। जबकि राजकुमार गंभीर रूप से घायल है उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने इस मामले में राजकुमार, प्रेमपाल, गौरव निवासी बुलंदशहर तथा वकील पुत्र नूरहसन व अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने गौरव प्रेमपालव वकील को हिरासत में ले लिया है।

नकाबपोश बदमाशों...

खड़ी एक गाड़ी में ईट और डंडों से तोड़फोड़ की। यह घटना पास में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। सेक्टर-51 आरडब्ल्यूए के महामंत्री संजीव कुमार ने पुलिस से मांग की है कि वह सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों को पहचानकर उनको गिरफ्तार करे। इस घटना से सेक्टर में भय का माहौल व्याप्त है।

मोबाइल स्नेचर के साथ...

पुलिस टीम ने पीछा किया, तो पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, पुलिस की जवाबी कार्रवाही में गोली लगने से विशाल उर्फ मोनू महतो घायल हो गया, जबकि मौके से फरार उसके साथी, तनिष्क बैसला को पुलिस ने कॉम्बिंग के दौरान गिरफ्तार किया. घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्साल में भर्ती कराया गया है।

एडिशनल डीसीपी, ग्रेटर नोएडा ने बताया दोनों बदमाश, शातिर किस्म के मोबाइल स्नैचर है। मोनू महतो खिलाफ 17 मुकदमे अलग-अलग थानों मे दर्ज है, कब्जे से दो तमंचा, लूटे हुई दो मोबाइल फोन और घटना में इस्तेमाल की जाने वाली चोरी की मोटरसाइकिल हुई बरामद किया गया है।

एलीवेटिड रोड से...

पुल के नीचे का संपूर्ण कार्य मसलन नाला, सेंट्रल वर्ज तथा सड़क का कार्य स्वीकृत होने के उपरांत यह मार्च-2025 तक पूरा किया जाना प्रस्तावित है।

बता दें कि 5.5 किमी लंबे 6 लेन के इस एलीवेटिड रोड का कार्य तकरीबन पूरा हो चुका है। इसके तहत बरौला, भंगेल तथा सेक्टर-42, 48, 49, 101 तथा 107 आते हैं लेकिन पुल के नीचे सड़कों की हालत दयनीय है। जगह-जगह गड्डे तथा जल भराव है जिसके कारण लोगों को खासकर दुकानदारोंको काफी परेशानी हो रही है। इसको लेकर कई बार दुकानदार व्यवसायी तथा स्थानीय लोग धरना-प्रदर्शन भी कर चुके हैं। लेकिन उनको अभी 6 माह तक और इंतजार करना पड़ेगा।

राशन वितरण कल...

लाभार्थी अपने मूल दुकान से ही चीनी प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि जनपद गौतम बुद्ध नगर के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश के अन्य जनपदों/राज्यों के निवासी अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्ड धारक, जिनके द्वारा गौतम बुद्ध नगर के उचित दर विक्रेताओं के यहां से वन नेशन वन राशन कार्ड योजना के तहत पोर्टेबिलिटी के आधार पर खाद्यान्न अपनी सुविधा एवं सुगमता अनुसार किसी भी उचित दर दुकान से प्राप्त किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि संबंधित नोडल अधिकारी द्वारा उचित दर दुकान पर उपलब्ध खाद्यान्न आदि का भौतिक सत्यापन करने के उपरांत अपनी उपस्थिति में दुकान पर खाद्यान्न आदि का वितरण सुनिश्चित कराया जाएगा। अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को गेहूं, चावल वितरण की अंतिम तिथि 25.09.2025 होगी, जिस दिन आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं को प्राप्त न कर सकने वाले उपभोक्ताओं हेतु मोबाइल ओ.टी.पी. वेरीफिकेशन के माध्यम से नि:शुल्क वितरण संपन्न किया जा सकेगा एवं विक्रेता द्वारा ई-पॉस मशीन से निकलने वाली वितरण पर्चियों पर गेहूँ, चावल का मूल्य शून्य होना स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाएगा तथा संबंधित उचित दर विक्रेता द्वारा कार्डधारक को उक्त पर्ची उपलब्ध करायी जायेगी। प्रत्येक दशा में यह सुनिश्चित किया जाए की कोई भी पात्र लाभार्थी खाद्यान्न प्राप्ति से वंचित न रहे।

गौतमबुद्धनगर में...

बता दें कि अभी तक प्रदेश में सिर्फ रायबरेली जिले में ही आईडीटीआर है, लेकिन अब उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने गौतमबुद्धनगर जिले के अलावा उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ, बलिया, गोरखपुर, कानपुर, आगरा, झांसी, शाहजहांपुर, प्रयागराज में भी आईडीटीआर बनाने की योजना को मंजूरी प्रदान कर दी है। बाकी अन्य जनपदों मसलन वाराणसी, बरेली, मेरठ, मुरादाबाद, अलीगढ़, मथुरा, आजमगढ़, अयोध्या, मिर्जापुर, इटावा, सहारनपुर, सीतापुर, जौनपुर तथा बिजनौर में क्षेत्रीय ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर आरडीटीसी बनाने की भी योजना है। यह केंद्र तीन एकड़ क्षेत्रफल में बनेंगे।

कैफे में बिना बार लाइसेंस परोसी शराब

प्रबंधक गिरफ्तार शराब बरामद

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-104 हाजीपुर गांव स्थित टोनिका हाउस कैफे में बिना बार लाइसेंस के अवैध रूप से शराब पिलाने के आरोप में आबकारी विभाग द्वारा कार्रवाई की गई है। बिना लाइसेंस के जाम छलकवाने के आरोप में थाना सेक्टर 39 पुलिस ने कैफे के प्रबंधक को गिरफ्तार किया है। कैफे से शराब भी बरामद हुई है।

आबकारी विभाग सर्किल दो क्षेत्र के निरीक्षक संजय कुमार को सूचना मिली कि सेक्टर 104 स्थित टोनिका हाउस कैफे में बिना एफ एल 11 ऑकेजनल बार लाइसेंस के शराब पिलाई जा रही है। सूचना के आधार पर आबकारी विभाग की टीम ने कैफे पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान कैफे में लगी टेबलों पर लोग शराब पीते हुए मिले। आबकारी विभाग की टीम को देखकर शराब पी रहे लोगों में भगदड़ मच गई। आबकारी विभाग की टीम ने काउंटर पर बैठे बलराम सिंह पुत्र समय सिंह निवासी भरतपुर राजस्थान को हिरासत में ले लिया। बलराम सिंह से जब शराब पिलाने का लाइसेंस मांगा गया तो वह नहीं दिखा पाया। आबकारी विभाग की टीम ने कैफे से मैकडॉवेल नंबर 1 के 6 हॉफ, रॉयल स्टैग के 6 हॉफ तथा बियर की खाली कैन, शराब की बोतल बरामद की। इसके बाद आपक विभाग की टीम ने थाना सेक्टर 39 पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची। पुलिस ने कैफे के प्रबंधक बलराम को हिरासत में ले लिया। आरोपी ने बताया कि वह बिना लाइसेंस के लोगों को शराब पिलाता था। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू. पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

कार्लोस अल्काराज ने सिनर को हराकर जीता यूएस ओपन का खिताब, बने नंबर 1

न्यूयॉर्क, 9 सितंबर (एजेंसियां)। स्पेन के टेनिस सुपरस्टार कार्लोस अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन के साथ यूएस ओपन 2025 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ ही उन्होंने जैनिक सिनर को हराकर यूएस ओपन खिताब जीता और विश्व नंबर 1 रैंकिंग भी हासिल की। नई दिल्ली, 8 सितंबर (आईएएनएस)। स्पेन के टेनिस सुपरस्टार कार्लोस अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन के साथ यूएस ओपन 2025 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ ही उन्होंने जैनिक सिनर को हराकर यूएस ओपन खिताब जीता और विश्व नंबर 1 रैंकिंग भी हासिल की। यूएस ओपन फाइनल में अल्काराज ने इटली के सिनर को चार सेटों में 6-2, 3-6, 6-1, 6-4 से हराकर

अपना दूसरा यूएस ओपन और छठा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता।

इस जीत के साथ ही अल्काराज ने सिनर की 65 सप्ताह की विश्व नंबर 1 रैंकिंग को छीनकर फिर से शीर्ष स्थान हासिल किया है। दरअसल, अल्काराज ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। अल्काराज ने सिनर पर दबदबा कायम रखते हुए पहला सेट 6-2 से अपने नाम किया।

हालांकि, सिनर ने दूसरे सेट में वापसी की और 6-3 से जीतकर मुकाबला बराबर किया। अल्काराज ने तीसरे सेट में शानदार वापसी की और 6-1 से जीत हासिल की। इसके बाद चौथे सेट में 6-4 से जीत हासिल की। अल्काराज ने पूरे टूर्नामेंट में केवल एक सेट गंवाया, जो इस फाइनल में था। इस जीत के बाद कार्लोस अल्काराज जश्न में डूबे नजर आए।

उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे कुछ लोगों के साथ अपनी जीत को सेलिब्रेट कर रहे हैं। 2025 में अल्काराज और सिनर के बीच यह लगातार तीसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल था। इससे पहले अल्काराज ने फ्रेंच ओपन में सिनर को हराया था, जबकि सिनर ने विंबलडन में जीत हासिल की थी। अल्काराज छह ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले ब्योर्न बोर्ग के बाद दूसरे सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उनके पास अब फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन में दो-दो खिताब हैं, जिसके साथ वह नोवाक जोकोविच, राफेल नडाल और मैट्स विलेंडर के साथ उन चुनिंदा पुरुष खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने तीनों सतहों (हार्ड कोर्ट, क्ले और घास) पर कई ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इस जीत के साथ उन्होंने 5 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि भी हासिल की है।

दादरी तहसील में अधिवक्ताओं का जोरदार आंदोलन, एडीएम को सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा। दादरी तहसील परिसर में अधिवक्ताओं, बैनामा लेखकगण, स्टाम्प विक्रेताओं और टाइपिस्टों ने अपनी आवाज़ बुलंद करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। यह आंदोलन बार एसोसिएशन दादरी द्वारा बुलाया गया था, जिसमें तहसील से जुड़े सभी साथी और अधिवक्ता पूरी तरह से शामिल हुए।

अधिवक्ताओं का कहना है कि ग्रेटर नोएडा एक्सटेंशन में सब-रजिस्ट्रार का नया ऑफिस बनवाया जा रहा है, जिससे दादरी तहसील के आधे से अधिक कार्य वहां स्थानांतरित हो जाएंगे। उनका मानना है कि इससे उनकी रोज़ी-रोटी पर असर पड़ेगा और जीवन-यापन कठिन हो जाएगा। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनके काम में कोई बाधा आई, तो इसका नुकसान सभी को उठाना पड़ेगा।

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और सचिव के मार्गदर्शन में अधिवक्ताओं ने एकजुट होकर कहा कि दादरी का इतिहास रहा है कि अधिवक्ता अपने हक की लड़ाई में कभी नहीं झुके और न ही झुकेंगे। अधिवक्ता समाज एक परिवार है और परिवार के किसी भी सदस्य को नुकसान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इस दौरान अधिवक्ताओं ने नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को प्रकट किया तानाशाही नहीं चलेगी, वकील एकता ज़िंदाबाद, बार एसोसिएशन दादरी ज़िंदाबाद।

आंदोलन को सफल बनाने के लिए सभी अधिवक्ताओं ने पूर्ण एकजुटता दिखाई और अपने हक की रक्षा के लिए किसी भी कदम से पीछे न हटने का संकल्प लिया। इस मौके पर पंकज शर्मा, विक्रांत शर्मा, विकास पंडित, सचिव और सह सचिव सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

फाइनल में ट्रंप की मौजूदगी से मचा हंगामा

मैच आधे घंटे की देरी से शुरू हुआ, दर्शकों ने की हूटिंग

न्यूयॉर्क, 9 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार मामला है यूएस ओपन 2025 टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल का, जहां उनकी मौजूदगी के कारण मैच की शुरुआत में आधे घंटे से ज्यादा की देरी हुई। इस घटना ने दर्शकों को खासा नाराज कर दिया और स्टेडियम में मौजूद कई फैंस ने ट्रंप के खिलाफ जमकर नाराजगी जताई।

मैच के रोमांच और खिलाड़ियों के प्रदर्शन की चर्चा बाद में हुई, लेकिन ट्रंप की मौजूदगी और उससे पैदा हुई देरी पूरे आयोजन पर हावी रही। सोशल मीडिया पर भी फैंस ने इस घटना पर अपने अनुभव साझा किए और कई लोगों ने इसे अनावश्यक ड्रामा करार दिया।

फाइनल मुकाबला आर्थर ऐश स्टेडियम में स्पेन के कार्लोस

अल्कारेज और इटली के यानिक सिनर के बीच खेला जाना था। दर्शक बेसब्री से इस टॉप-लेवल मैच का इंतजार कर रहे थे, लेकिन ट्रंप के आने के कारण सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। इससे ट्रैफिक जाम और पार्किंग की दिक्कतें बढ़ गईं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई गाड़ियां पार्किंग में समय पर प्रवेश नहीं कर पाईं और लोग पैदल ही लंबी दूरी तय करने को मजबूर हो गए। यहां तक कि सेलिब्रिटी भी आम लोगों की तरह लाइन में खड़े नजर आए।

हालांकि, स्टेडियम में ट्रंप की मौजूदगी का आधिकारिक एलान नहीं किया गया, लेकिन जैसे ही स्क्रीन पर उनका चेहरा दिखा, दर्शकों की तरफ से जोरदार हूटिंग शुरू हो गई। फैंस का कहना था कि वे फाइनल का रोमांचक मैच देखने आए थे, न कि राजनीतिक विवाद। इस देरी ने उनका मूड बिगाड़ दिया। एक दर्शक ने अमेरिकी मीडिया को बताया कि पूरा आयोजन ट्रंप के आने से अराजक हो गया। वहीं, मिशिगन से आईं टेनिस प्रशंसक कैरेन स्टार्क ने राय दी, 'अगर ट्रंप का मन है तो वह कहीं भी जा सकते हैं और मैच देख सकते हैं। लेकिन यह भी सच है कि उनकी मौजूदगी से सुरक्षा कारणों से बड़ी परेशानी खड़ी हो जाती है।'

जो रूट ने शतक ठोक मचाई तबाही : सचिन का 100 शतकों वाला रिकॉर्ड तोड़ने से अब सिर्फ 43 कदम दूर

लंदन, 9 सितंबर (एजेंसियां)। क्रिकेट में कुछ रिकॉर्ड ऐसे हैं, जिनका टूटना असंभव लगता है. बल्लेबाजी में सबसे बड़ा रिकॉर्ड सचिन तेंदुकर के नाम है, जिन्होंने अपने पूरे करियर में 34357 रन किए. इन रनों में 100 इंटरनेशनल शतक भी हैं. यह रिकॉर्ड सबसे खास और सबसे बड़ा है, जिसे तोड़ना किसी 'चमत्कार' से कम नहीं होगा. वैसे तो इतने शतकों तक पहुंचा हर किसी के बस की बात नहीं है, क्योंकि सचिन के इस रिकॉर्ड को तोड़ने का सपना लेकर काफी खिलाड़ियों ने कोशिश की, लेकिन कोई भी इसके आस-पास तक नहीं पहुंच पाया, हालांकि एक खिलाड़ी लगातार बढ़िया प्रदर्शन करके इस रेस में तेजी से आगे बढ़

रहा है. 7 सितंबर 2025 को इस खिलाड़ी ने शतक ठोककर इस तरफ एक कदम और बढ़ा दिया है.

जो रूट ने बढ़ाया एक और कदम

यहां जिस खिलाड़ी की बात हो रही है वो कोई और नहीं बल्कि इंग्लैंड के दिग्गज जो रूट हैं, जिन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के तीसरे मैच में 98 गेंदों पर शतक जड़ा. यह उनके वनडे का 19वां जबकि इंटरनेशनल करियर का 58वां शतक रहा. इस शतक के दम पर उन्होंने बाबर आजम, ब्रायन लारा और महेला जयवर्धने की बराबरी की है, जबकि वेस्टइंडीज के शाई होप, न्यूजीलैंड के मार्टिन गुप्टिल और ऑस्ट्रेलिया के मार्क वॉ को पीछे कर दिया है, इन तीनों ही खिलाड़ी ने वनडे में 18-18 सेंचुरी जमाई हैं.

जो रूट ने अब तक कुल कितने शतक जमाए हैं?

जो रूट इंग्लैंड के लिए तीनों फॉर्मेट में अब तक 373 मैच खेल चुके हैं. 2012 में डेब्यू से लेकर 2025 तक उन्होंने 490 पारियों में 21737 रन बनाए, जिसमें 58 शतक आए हैं. ये खिलाड़ी 34 साल को हो गया है. जिस तरह की रूट के पास फिटनेस है और फॉर्म है, उसे देखते हुए कहना गलत नहीं होगा कि ये स्टार अगले 6 साल और क्रिकेट खेल सकता है. 40 साल तक की उम्र में रूट बल्ले से कमाल दिखाते नजर आ सकते हैं.

सचिन का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने के लिए 43 शतकों की जरूरत

सचिन के 100 शतकों का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए उन्हें अभी 43 सेंचुरी और लगाना होंगी. यह बेहद मुश्किल है, लेकिन नाममुमकिन नहीं. रूट को हर साल 7-8 सेंचुरी लगानी होंगी तभी सचिन का 100 शतकों वाला वर्ल्ड रिकॉर्ड टूट सकता है. यह कहने में आसान है, लेकिन उसका टूटना किसी चमत्कार से कम नहीं. सचिन के बाद सबसे ज्यादा शतक विराट कोहली के हैं, देखना होगा रूट इस रेस में कहां तक जाते हैं.

बिक नहीं रही भारत-पाकिस्तान के एशिया कप मुकाबले की टिकट

आयोजकों की बढ़ी परेशानी, विराट-रोहित हैं वजह?

दुबई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 की शुरुआत में अब सिर्फ एक दिन रह गया है। टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के मैच पर सभी की नजर है। ये मुकाबला 14 सितंबर 2025 को होगा। हमेशा से दोनों देशों के बीच मैच में स्टेडियम भरा रहता है और टिकट जल्दी बिक जाती है। इस बार ऐसा नहीं है और अभी तक स्टेडियम सोल्ड आउट नहीं हुआ है।

क्यों नहीं बिक रही भारत-पाकिस्तान मैच की टिकट?

भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर 2025 को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मैच होगा। अभी तक सभी टिकट नहीं बिकी है और इसकी डिमांड भी बेहद कम है। कई लोगों का मानना है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली की गैरमौजूदगी फैंस की मैच में रुचि नहीं होने का

कारण है। हालांकि, ऐसा नहीं है। असली वजह टिकट सिस्टम को लेकर है। दरअसल, आयोजकों ने पैकेज सिस्टम बनाया है।

पहले प्रशंसक सिर्फ भारत और पाकिस्तान के मैच की टिकट खरीद सकते थे लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब उन्हें पूरा बंडल खरीदना होगा, जिसमें 7 मैच मौजूद होंगे। ग्रुप स्टेज के मैचों को प्रमोट करने के लिए ऐसा किया गया है लेकिन कीमत काफी ज्यादा है। इसी वजह से उनका ये फैसला गलत साबित हुआ है। सोशल मीडिया पर भी फैंस ने निराशा जाहिर की है।

एशिया कप के लिए टीम इंडिया और पाकिस्तान का स्क्वाड

2025 के एशिया कप के लिए भारत और पाकिस्तान ने अपनी बेस्ट स्क्वाड का ऐलान किया है। पाकिस्तान ने जहां बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को जगह नहीं दी है, तो वहीं टीम इंडिया में शुभमन गिल उपकप्तान के रूप में शामिल हुए हैं।

टीम इंडिया का स्क्वाडः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हर्षित राणा और रिंकू सिंह

पाकिस्तान का स्क्वाडः सलमान अली (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, हरिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), हसन नवाज, वसीम जूनियर, साहिबजादा फरहान, सैम अयूब, सलमान मिर्जा, शाहीन शाह अफरीदी और सुफियान मोकिम

पाकिस्तान ने ट्राई सीरीज जीता

फाइनल में अफगानिस्तान को 75 रन से हराया; नवाज ने लिए पांच विकेट

शारजाह, 9 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 से ठीक पहले पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शारजाह में खेले गए त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में अफगानिस्तान को 75 रनों से मात दी। इस जीत की सबसे बड़ी हीरो रहे ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज, जिन्होंने अपनी बेहतरीन गेंदबाजी से अफगान टीम को ध्वस्त कर दिया।

पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 141/8 का स्कोर बनाया। अफगानिस्तान की टीम इस लक्ष्य का पीछा करते हुए सिर्फ 66 रन पर सिमट गई। नवाज ने कुल 3.5 ओवर में 19 रन देकर पांच विकेट लिए, जिसमें एक शानदार हैट्रिक भी शामिल रही। नवाज को शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

उन्होंने पहले दरविश रसूली और अजमतुल्लाह ओमरजई को लगातार गेंदों पर बिना खाता खोले आउट

किया और फिर अपनी अगली ओवर की पहली ही गेंद पर इब्राहिम जादरान (9) को पवेलियन भेज दिया। इसके साथ ही नवाज पाकिस्तान के तीसरे गेंदबाज बने जिन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय में हैट्रिक बनाई। उनसे पहले फहीम अशरफ और मोहम्मद हसनैन यह कारनामा कर चुके हैं।

पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। हालांकि, शुरुआत खराब रही और साहिबजादा फरहान तीसरी गेंद पर ही बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद फखर जमां (27) और सैम अयूब (17) ने दूसरे विकेट के लिए 49 रन जोड़े। कप्तान सलमान आगा (24 रन, 27 गेंद) ने संघर्षपूर्ण पारी खेली, जबकि नवाज ने बल्ले से भी योगदान देते हुए 21 गेंदों पर 25 रन बनाए, जिसमें दो शानदार छक्के शामिल थे। अफगान कप्तान राशिद खान ने गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन किया और चार ओवर में 3 विकेट चटकाए। उन्होंने जमां, हसन नवाज (15) और आगा को पवेलियन भेजा।

142 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की टीम शुरुआत से ही लड़खड़ा गई। नवाज और पाकिस्तानी गेंदबाजों के सामने कोई भी बल्लेबाज टिक नहीं पाया। राशिद खान (17 रन) और सदीकुल्लाह अतल (13 रन) ही दो ऐसे बल्लेबाज़ रहे जो दहाई का आंकड़ा पार कर पाए। अफगानिस्तान का स्कोर 15.5 ओवर में 66 रन पर सिमट गया, जो टी20आई इतिहास में उनका दूसरा सबसे कम स्कोर है। इससे पहले 2024 टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सिर्फ 56 रन बनाए थे।

जीत के बाद पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने कहा, 'हम एशिया कप के लिए जिस तरह की तैयारी चाहते थे, वह पूरी हो गई है। टीम संतुलित है और हम बेहतरीन फॉर्म में हैं।

एशिया कप हॉकी में भारतीय महिलाओं का दबदबा

सिंगापुर को 12-0 से रौंदा, मुमताज खान और नवनीत कौर की हैट्रिक

हांगझोउ, 9 सितंबर (एजेंसियां)। नवनीत कौर और मुमताज खान की हैट्रिक की बदौलत भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन के हॉन्गझू में सोमवार 8 सितंबर 2025 को एशिया कप के पूल बी मैच में सिंगापुर को 12-0 से हरा दिया। इस जीत के साथ ही भारत ने टूर्नामेंट के सुपर-4 चरण में प्रवेश किया। भारत की ओर से नवनीत (14वें, 18वें और 28वें मिनट) और मुमताज खान (दूसरे, 32वें और 38वें मिनट) के अलावा नेहा, लालरेम्सियामी (13वें मिनट), शर्मिला देवी (45वें मिनट) और ऋतुजा पिसल (52वें मिनट) ने भी भारत के लिए गोल दागे। नेहा ने 11वें और 38वें मिनट में दो गोल दागे।

विश्व में 10वें नंबर की टीम भारत ने पिछले हफ्ते अपने पहले मैच में थाइलैंड को 11-0 से हराया था और गत चैंपियन जापान

के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला था। सिंगापुर विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर है। इस टूर्नामेंट में आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं। दोनों पूलों से शीर्ष दो टीमें सुपर 4 चरण के लिए क्वालिफाई करेंगी। भारत सुपर-4 चरण के लिए क्वालिफाई कर चुका है। सुपर 4 में शीर्ष दो टीमें 14 सितंबर को होने वाले फाइनल में खेलेंगी। एशिया कप जीतने वाली टीम बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले 2026 महिला विश्व कप के लिए क्वालिफाई करेंगी।

भारत बनाम सिंगापुर मैच में चौथे क्वार्टर को छोड़ दिया जाए तो सिम वैलेरी की अगुआई वाली टीम सलीमा टेटे ब्रिगेड के सामने संघर्ष करती ही दिखी। भारतीय महिलाओं ने शुरू से ही दबदबा बनाया। भारत ने पहले क्वार्टर में 4 गोल दागे। दूसरे क्वार्टर में स्कोरलाइन को 7-0 कर दिया। हॉफ टाइम के बाद भारत ने 5 गोल दागे। तीसरे क्वार्टर में 4 और आखिरी क्वार्टर में एक गोल किया।

13 चौके 9 छक्के, पाकिस्तान टीम से ड्रॉप होने के बाद रिजवान ने मचाई तबाही

अकेले के दम पर जिताया मैच

बारबाडोस, 9 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 से पहले पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज और पूर्व कप्तान मोहम्मद रिजवान ने टी20 मुकाबले में बल्ले से तबाही मचाई और अकेले के दम पर मैच जिता दिया. वो 62 गेंदों पर 85 रन ठोककर टीम की जीत के हीरो बने. ये वही रिजवान हैं, जिन्होंने एशिया कप 2025 के लिए पाकिस्तान की टीम में नहीं चुना गया, इसके बाद वो वेस्टइंडीज की सरजमीं पर पहुंचे और वहां चल रही कैरिबियन प्रीमियर लीग 2025 में बल्ले से तबाही मचा दी.

दाएं हाथ के स्टार विकेटकीपर बैटर मोहम्मद रिजवान CPL 2025 के सीजन सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स टीम का हिस्सा हैं.7 सितंबर को खेले गए सीजन के 25वें मुकाबले में उन्होंने सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट के खिलाफ 85 रन कूटे.यह पारी इसलिए खास थी कि क्योंकि

गयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ टीम के बनाए टोटल रन में आधे से ज्यादा रिजवान के बल्ले से ही निकले. वो आखिर तक क्रीज पर डटे रहे और नाबाद लौटे.

मैच का लेखा जोखा

दरअल, गयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ रिजवान की टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी थी. मोहम्मद रिजवान और आंद्रे फ्लेचर पारी का आगाज करने आए थे. फ्लेचर तो 7 रन बनाकर जल्दी आउट हो गए, लेकिन रिजवान ने क्रीज पर खूंटा गाड़कर बैटिगं की. एक तरफ से विकेट गिरते गए, लेकिन रिजवान डटे रहे और पूरे 20 ओवरों तक बैटिंग की.

62 गेंदों पर 85 रन कूटे

मोहम्मद रिजवान ने गयाना के खिलाफ 137 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से 62 गेंदों पर 85 रन बनाए, यह पारी मुश्किल पिच पर आई, जहां बॉलर्स को खूब मदद थी. इस पारी में 3 छक्के और 8 चौके शामिल रहे. रिजवान की पारी के दम टीम ने 150 रनों का टारगेट बोर्ड पर लगाया था, जिसकी पीछा करने उतरी गयाना अमेजन वॉरियर्स 144 रन बना पाई और मैच हार गई.सेंट किट्स के लिए पहले बल्ले से रिजवान छाए तो गेंदबाजी में नसीम शाह ने जलवा दिखाया. उन्होंने 4 ओवरों में 29 रन देकर 2 विकेट लिए.

सीपीएल 2025 में कितने रन बना चुके हैं रिजवान?

एशिया कप 2025 के लिए पाकिस्तान टीम से ड्रॉप होने के बाद रिजवान अब तक CPL 2025 में सिर्फ 5 मैच खेले, जिनमें 62.66 की औसत से 188 रन जड़ चुके हैं. 22 छक्के-चौके के साथ उन्होंने यह रन किए. रिजवान 9 छक्के और 13 चौके लगा चुके हैं. अब अगले मैचों में भी वो इसी फॉर्म को आगे बढ़ाना चाहेंगे. गौर करने वाली बात ये है कि सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स ने इस सीजन अब तक सिर्फ 3 मैच जीते, इनमें से 2 जीत रिजवान की एंट्री के बाद आई हैं.

पितृ पक्षः जहां श्रद्धा बनती है ऊर्जा और आशीर्वाद बनता है भाग्य

योगेश गोयल

हिन्दू धर्म में पितृ पक्ष (श्राद्ध) को बहुत अहम माना गया है। श्राद्ध का अर्थ होता है 'श्रद्धापूर्वक'। हमारे संस्कारों और पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने को ही श्राद्ध कहा जाता है। सरल शब्दों में कहें तो दिवंगत परिजनों को उनकी मृत्यु तिथि पर श्रद्धापूर्वक याद किया जाना जाना ही श्राद्ध है। हिन्दू पंचांग के अनुसार पितृपक्ष की शुरूआत 7 सितम्बर से हुई है और 21 सितम्बर को सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितृपक्ष का समापन होगा। ब्रह्मपुराण के अनुसार उचित काल या स्थान पर पितरों के नाम जो भी वस्तु उचित विधि द्वारा श्रद्धापूर्वक ब्राह्मणों को दी जाए, वह श्राद्ध कहलाता है। पितृ पक्ष को हिन्दू धर्म में 'महालय' या 'कनागत' के नाम से भी जाना जाता है।

माना जाता है कि पितृ पक्ष के दौरान पिंडदान, तर्पण कर्म और ब्राह्मण को भोजन कराने से पूर्वज प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं। पितृ पक्ष में लोग अपने पूर्वजों को याद कर उनकी आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध कर्म, पिंडदान और तर्पण करते हैं। दरअसल हिन्दू धर्म में मृत्यु के पश्चात पितरों की याद में श्राद्ध किया जाता है और उनकी मृत्यु की तिथि के अनुसार ही श्राद्ध की तिथि निर्धारित की जाती है। पिंडदान करने के लिए हरिद्वार और गया को सर्वोत्तम माना गया है। वैसे हिन्दू धर्म के अलावा ईसाई, इस्लाम और बौद्ध धर्म में भी अपने पूर्वजों को याद रखने की प्रथा है। पश्चिमी जगत में जहां पूर्वजों की स्मृति में मोमबत्तियां जलाने की प्रथा है, वहीं ईसाई धर्म में व्यक्ति के निधन के चालीस दिनों पश्चात सामूहिक भोज की रस्म की जाती है। इस्लाम में चालीस दिनों बाद कब्र पर फातिहा पढ़ने और बौद्ध धर्म में भी पूर्वजों की याद में कुछ ऐसे ही प्रावधान देखने को मिलते हैं।

हिन्दू धर्म में मान्यता है कि पितृ पक्ष के दिनों में यमराज आत्मा को मुक्त कर देते हैं ताकि वे अपने परिजनों के यहां जाकर तर्पण ग्रहण कर सकें। ऐसी ही मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दिनों में पितर नीचे पृथ्वी पर आते हैं और बिना किसी आव्हान के अपने वंशजों के घर किसी भी रूप में जाते हैं। ऐसे में यदि उन्हें तृप्त नहीं किया जाए तो उनकी आत्मा नाराज होकर अतृप्त लौट जाती है। माना गया है कि यदि पितर नाराज हो जाएं तो जिंदगी मुसीबतों से भर जाती है। इसलिए शास्त्रों में पितरों का श्राद्ध विधिपूर्वक करना जरूरी बताया गया है। मान्यता है कि यदि पितर खुशी-खुशी वापस जाते हैं तो अपने वंशजों को दिए गए उनके आशीर्वाद से घर-परिवार में सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। पितृ पक्ष के दौरान शुभ और मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं। पितृ पक्ष में सगाई, विवाह, मुंडन, गृहप्रवेश, परिवार के लिए महत्वपूर्ण चीजों की खरीददारी, नए कपड़े खरीदना, कोई नया कार्य शुरू करना इत्यादि कोई भी शुभ कार्य करना अच्छा नहीं माना जाता। जिंदगी में सफलता के लिए मेहनत, किस्मत, ईश्वरीय कृपा के साथ-साथ पूर्वजों का आशीर्वाद भी बेहद जरूरी होता है और धर्म एवं ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पूर्वजों को सम्मान देने से वे प्रसन्न होते हैं तथा पूरे परिवार पर कृपा करते हैं। इसीलिए हमारे दिवंगत परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में तर्पण-श्राद्ध किया जाता है। पितृ पक्ष में पितरों को जल देने की विधि को तर्पण कहा जाता है।

ज्योतिष शास्त्र में पितृ दोष को अशुभ फल देने वाला माना गया है और शास्त्रों के अनुसार पितृ पक्ष में पितरों का तर्पण करने से पितृ दोष से आने वाली परेशानियां दूर होती हैं तथा पितरों का आशीर्वाद मिलता है। देव ऋण, ऋषि ऋण तथा पितृ ऋण का हिन्दू धर्म में विशेष महत्व है और पितृ पक्ष में माता-पिता के प्रति तर्पण करके श्रद्धा व्यक्त की जाती है क्योंकि पितृ ऋण से मुक्त हुए बिना जीवन निरर्थक माना जाता है। सनातन धर्म के अनुसार देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण से मुक्ति पाए बिना व्यक्ति का पूर्ण कल्याण होना असंभव है। ऋषि ऋण से स्वाध्याय के जरिये, देवऋण से यज्ञ के जरिये और पितृ ऋण से श्राद्ध तथा तर्पण द्वारा मुक्ति प्राप्त हो सकती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार श्राद्ध पक्ष में पितरों से संबंधित कार्य करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। महर्षि वेद व्यास के अनुसार जो व्यक्ति श्राद्ध द्वारा अपने पितरों को संतुष्ट करता है, वह पितृ ऋण से मुक्त होकर ब्रह्मलोक को जाता है।

महर्षि जाबालि के अनुसार अपने पितरों का श्राद्ध करने वाले व्यक्ति को पुत्र, आयु, आरोग्य, ऐश्वर्य और इच्छित फल की प्राप्ति होती है। श्राद्ध पक्ष के दौरान दिन में सोना, असत्य भाषण, रति क्रिया, सिर और शरीर पर तेल, साबुन, इत्र आदि लगाना, मदिरापान करना, लड़ाई-झगड़ा, वाद-विवाद, अनैतिक कृत्य तथा किसी भी जीवधारी को कष्ट पहुंचाना निषेध माना गया है। पितृपक्ष को लक्ष्मी और ज्ञान की साधना के लिए उत्तम काल माना गया है।

माता सीता का श्राप और पिंडदान की पवित्रता

गया में पिंडदान का क्या है महत्व?

भारत में पितरों के उद्धार और श्राद्ध कर्म के लिए अनेक तीर्थस्थल बताए गए हैं, लेकिन उनमें सबसे विशेष स्थान गया का है। फल्गु नदी के तट पर बसे इस पावन शहर को मोक्षस्थली कहा जाता है। मान्यता है कि यहां पिंडदान करने से 108 कुल और सात पीढ़ियों का उद्धार होता है और उन्हें मोक्ष प्राप्त होता है। यही कारण है कि पितृपक्ष के दौरान हर वर्ष लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। गया का उल्लेख वायु पुराण, गरुड़ पुराण और विष्णु पुराण में मिलता है। माना जाता है कि यहां पिंडदान करने से पितरों की आत्मा जन्म-मरण के बंधन से मुक्त हो जाती है।

गयासुर ने ब्रह्माजी से मांगा वरदान

रामायण के अनुसार, भगवान राम और माता सीता ने यहीं फल्गु नदी के तट पर राजा दशरथ का पिंडदान किया था। महाभारत काल में भी पांडवों ने गया आकर अपने पूर्वजों का श्राद्ध कर्म संपन्न किया था। गया नगरी की उत्पत्ति से जुड़ी कथा भी उतनी ही रोचक है। कहा जाता है कि यहां गयासुर नामक असुर ने तपस्या कर ब्रह्माजी से वरदान मांगा कि उसका शरीर इतना पवित्र हो जाए कि उसके दर्शन मात्र से लोग पापमुक्त हो जाएं। धीरे-धीरे लोग पाप कर उसके दर्शन से मुक्त होने लगे। इससे स्वर्ग-नरक का संतुलन बिगड़ गया।

इस तरह बनी गया नगरी

परेशान देवताओं ने भगवान विष्णु से मदद मांगी। इसके बाद, भगवान विष्णु ने गयासुर से यज्ञ के लिए शरीर मांगा। गयासुर ने सहर्ष स्वीकार किया। यज्ञ पूर्ण होने के बाद विष्णु ने उसे मोक्ष देते हुए आशीर्वाद दिया कि जहां-जहां उसका शरीर फैलेगा, वह स्थान पवित्र होगा और वहां पिंडदान करने से पितरों को मोक्ष मिलेगा। मान्यता है कि आज की गया नगरी गयासुर के शरीर के पत्थर रूप में फैलने से ही बनी।

माता सीता ने किया पिंडदान

प्रभु राम के वनवास काल में जब राजा दशरथ का देहांत हुआ, तो श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता पितृपक्ष के दौरान गया पहुंचे। राम और लक्ष्मण श्राद्ध सामग्री लेने नगर गए और माता सीता अकेली फल्गु नदी तट पर बैठ रहीं। इसी दौरान दशरथ की आत्मा प्रकट हुई और पिंडदान की प्रार्थना की। पहले तो सीता ने कहा कि पुत्रों के रहते हुए पुत्रवधु पिंडदान कैसे कर सकती है, लेकिन दशरथ ने बताया कि नियमों के अनुसार पुत्रवधु भी श्राद्ध कर सकती है। शुभ मुहूर्त बीतता देख माता सीता ने पिंडदान कर दिया।

माता सीता ने दिया श्राप

कहा जाता है कि सीता जी के पास कुछ नहीं था, इसी कारण उन्होंने नदी से बालू निकालकर पिंड दान किया था। इसके बाद से अभी भी फल्गु नदी के तट पर बालू से पिंड दान किया जाता है। पिंडदान के समय सीता ने फल्गु नदी, गाय, केतकी फूल और वटवृक्ष को साक्षी बनाया। लेकिन, जब राम और लक्ष्मण लौटे तो सीता की बात पर विश्वास न कर पाए। सीता ने गवाह बुलाए तो तीन ने झूठ बोला, फल्गु नदी, गाय और केतकी फूल। केवल वटवृक्ष ने सच बोला। इसके बाद माता सीता क्रोधित हो गईं और तीनों को श्राप दिया।

आज भी दिखता है श्राप का प्रमाण

उन्होंने फल्गु नदी को श्राप दिया कि उसका जल सूख जाएगा। गाय को पवित्र होकर भी मनुष्यों की जूठन खाने का श्राप दिया और केतकी के फूल को श्राप दिया कि वह किसी भी देवी-देवता की पूजा में नहीं चढ़ाया जाएगा। वहीं, सत्य बोलने वाले वटवृक्ष को उन्होंने दीर्घायु होने का वरदान दिया। माता सीता के श्राप के प्रमाण आज भी दिखते हैं। फल्गु नदी में जल नहीं है, पिंडदान रेत से होता है, गाय पूजनीय है लेकिन जूठन खाती है और केतकी का फूल पूजा में नहीं चढ़ता।

मोक्षस्थली है गया

हर साल पितृपक्ष के दौरान गया में विशाल मेला लगता है। लाखों श्रद्धालु यहां पिंडदान और तर्पण के लिए जुटते हैं। यह स्थल केवल हिंदुओं के लिए ही नहीं, बल्कि बौद्ध धर्मावलंबियों के लिए भी पवित्र है। समीप स्थित बोधगया वह स्थान है, जहां भगवान बुद्ध ने ज्ञान की प्राप्ति की थी। इस कारण गया न केवल मोक्षस्थली है बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर का केंद्र भी है।

पितृ पक्ष में गूंथा हुआ आटा फ्रिज में क्यों नहीं रखना चाहिए

पितृ पक्ष के दौरान हर घर में पूजा, तर्पण और श्राद्ध का खास महत्व होता है। मान्यता है कि इस समय पूर्वज धरती पर आते हैं और उनके लिए किए गए कर्म, दान और भोजन को स्वीकार करते हैं।

इस वजह से पितृ पक्ष में खानपान और रोजमर्रा की आदतों को लेकर कई नियम बनाए गए हैं जिनका पालन करना जरूरी माना जाता है। इन नियमों का संबंध सीधे तौर पर श्रद्धा और शुद्धता से होता है।

खासकर भोजन की तैयारी और उसे स्टोर करने को लेकर सख्ती से ध्यान रखने की परंपरा है। इन्हीं में से एक नियम है कि पितृ पक्ष के दौरान गूंथे हुए आटे को फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। आजकल की व्यस्त जिंदगी में कई लोग समय बचाने के लिए आटा पहले से गूंथकर फ्रिज में रख देते हैं लेकिन पितृ पक्ष के दौरान यह परंपरा और धार्मिक दृष्टि से ठीक नहीं माना जाता। को स्टोर करना बिल्कुल भी उचित नहीं है।

पितृ पक्ष के दौरान पालन करने वाले जरूरी नियम

1. भोजन हमेशा ताजा और समय पर बनाएं।
2. बासी, खट्टा या फ्रिज में रखा खाना न खाएं और न पितरों को अर्पित करें।
3. श्राद्ध कर्म में पवित्रता और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें।
4. पूजा और तर्पण में केवल शुद्ध और सात्विक भोजन ही उपयोग करें।
5. श्रद्धा और नियम से किया गया श्राद्ध ही पितरों तक पहुंचता है।

पितृ पक्ष में गूंथे आटे का विकल्प

अगर समय की कमी है और रोज आटा गूंथना मुश्किल लगता है तो आप आटा उसी समय गूंथकर ताजा रोटी बना लें। चाहें तो आटे को गीले कपड़े से ढककर कुछ

धार्मिक मान्यताएं और शास्त्रों का उल्लेख

धर्म शास्त्रों में साफ तौर पर कहा गया है कि पितृ पक्ष में भोजन बनाने में लापरवाही नहीं करनी चाहिए। ताजा अन्न, ताजा आटा और शुद्ध सामग्री से बना भोजन ही पितरों तक पहुंचता है। फ्रिज में रखा हुआ गूंथा हुआ आटा बासी की श्रेणी में आता है और बासी भोजन पितरों को नहीं चढ़ाना चाहिए। ऐसा करने से पितर नाराज हो सकते हैं और परिवार पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

स्वास्थ्य से जुड़ी वजहें भी हैं

यह सिर्फ धार्मिक मान्यता ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी सही है। जब आटा फ्रिज में रखा जाता है तो उसमें बैक्टीरिया पनप सकते हैं और वह शरीर के लिए हानिकारक हो सकता है। पितृ पक्ष के समय जब शुद्धता और सेहत दोनों पर जोर दिया जाता है, ऐसे में गूंथे आटे देर के लिए बाहर रख सकते हैं लेकिन इसे फ्रिज में बिल्कुल न रखें।

पितृ पक्ष 2025 में जब आप श्राद्ध और तर्पण करेंगे तो इस बात का खास ध्यान रखें कि भोजन पूरी तरह ताजा और शुद्ध हो।

गूंथे हुए आटे को फ्रिज में रखने की आदत को इस समय छोड़ दें क्योंकि यह न केवल धार्मिक दृष्टि से गलत है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है। पितरों को ताजा और सात्विक भोजन अर्पित करना ही सच्ची श्रद्धांजलि है और यही आपके परिवार के लिए शुभ फलदायक भी होगा।

इस पितृ पक्ष अपने खानपान की आदतों में थोड़ा बदलाव करें और पूरी श्रद्धा से नियमों का पालन करें। इससे न केवल पितर प्रसन्न होंगे बल्कि परिवार में सुख-शांति और समृद्धि भी बनी रहेगी।

भगवान शिव की नगरी में श्राद्ध से भटकती आत्मा को मिलती है मुक्ति और होती है मोक्ष की प्राप्ति

भगवान शिव की नगरी काशी में लोगों की भीड़ उमड़ रही है। जिन लोगों की पितृपक्ष की तिथि पूर्णिमा को आती है, वे आज श्राद्ध और पिंडदान कर रहे हैं। पितृ पक्ष का प्रारंभ आज से यानी भाद्रपद पूर्णिमा से हो रहा है और इसका समापन 21 सितंबर को सर्वपितृ अमावस्या के दिन होगा। इस अवसर पर काशी के प्राचीन और श्रद्धा-स्थल पिशाच मोचन कुंड पर प्रतिदिन 25 से 30 हजार श्रद्धालु जुटते हैं। यहां वे विधि-विधान से अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान और श्राद्ध कर्म करते हैं। मान्यता है कि पिशाच मोचन कुंड में किए गए श्राद्ध से पितरों को प्रेत योनि से मुक्ति मिलती है और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है।

भूत-प्रेत और नकारात्मक शक्तियों से मिलती है मुक्ति

काशी का पिशाच मोचन कुंड वाराणसी में स्थित है और मान्यता है कि यहां स्नान करने से पिशाच बाधा, भूत-प्रेत और नकारात्मक शक्तियों से मुक्ति मिलती है। शास्त्रों में इसे ऐसा तीर्थ कहा गया है जहां

पूर्वजों की आत्माओं की शांति के लिए विशेष श्राद्ध और तर्पण किए जाते हैं। कहते हैं कि स्वयं भगवान विष्णु ने इस कुंड को पिशाच मोचन का वरदान दिया, ताकि जो भी यहां श्रद्धा से स्नान और पूजा करे, उसके जीवन से अशुभ बाधाएं दूर हो जाएं।

हर दिन हजारों की संख्या में पहुंचते हैं लोग

पिशाच मोचन कुंड के शास्त्री ने बताया कि मरने के बाद काशी में मुक्ति तो मिलती है, लेकिन अगर कोई परिवार का सदस्य पिशाच मोचन पर पिंडदान और श्राद्ध करता है तो उससे उनके मृत परिजन को प्रेत योनि से मुक्ति मिलती है। यह परंपरा अनादिकाल से चल रही है।

उन्होंने कहा कि जो भी प्रेत या ब्रह्म दोष होते हैं, पिशाच मोचन कुंड पर पिंडदान और तर्पण करने से पितरों को मुक्ति मिलेगी।

पिशाच मोचन कुंड पर एक दिन में करीब 25 से 30 हजार लोग पहुंचते हैं।

सोमवार से 15 दिन के लिए पितृपक्ष की शुरुआत हो रही है। यहां बड़ी संख्या में लोग पिंडदान करने पहुंचते हैं। विशेष विधि विधान यह है कि अगर पितृ प्रेत योनि में भी हैं तो पिशाच मोचन कुंड पर पिंडदान से मुक्ति मिलती है।

जो लोग अनजाने में या पिछले जन्मों के कारण पिशाच दोष या प्रेतबाधा से पीड़ित होते हैं, वे इस कुंड में स्नान और तर्पण करके शांति प्राप्त करते हैं। यह स्थान विशेष रूप से पितृपक्ष और अमावस्या के अवसर पर अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है।

घर के मंदिर में भूलकर भी न रखें ऐसे फूल, वरना झेलनी पड़ेगी भारी परेशानी

हमारे घरों में पूजा-पाठ की परंपरा बहुत पुरानी है और पूजा के दौरान फूलों का विशेष महत्व होता है। हर देवी-देवता को प्रसन्न करने के लिए अलग-अलग प्रकार के फूल चढ़ाए जाते हैं, जिससे उनकी कृपा प्राप्त होती है।

बासी या मुरझाए हुए फूल- मंदिर में केवल ताजे और सुगंधित फूल ही चढ़ाने चाहिए। बासी या मुरझाए फूल अशुद्ध माने जाते हैं और इन्हें भगवान को अर्पित करना अपशकुन माना जाता है। ऐसे फूल चढ़ाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास हो सकता है।

प्लास्टिक के फूल- कई लोग सजावट के लिए मंदिर में नकली फूल रखते हैं, लेकिन ये धार्मिक दृष्टिकोण से उचित नहीं माने जाते। पूजा में प्राकृतिक चीजों का उपयोग करना ही शुभ होता है। प्लास्टिक के फूलों में जीवन नहीं होता, इसलिए ये पूजा के लिए अनुपयुक्त माने जाते हैं।

कनेर का फूल- कनेर का फूल सुंदर होता है, लेकिन यह हर देवी-देवता को अर्पित नहीं किया जा सकता। विशेष रूप से विष्णु और लक्ष्मी जी की पूजा में इसे वर्जित माना गया है। मान्यता है कि यह फूल नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर सकता है।

अकौड़े का फूल- अकौड़े का फूल शिवजी को अर्पित किया जाता है, लेकिन इसे हर रोज मंदिर में नहीं रखा जाना चाहिए। यह फूल बहुत तेज प्रभाव वाला होता है, और अगर सही समय या विधि से न चढ़ाया जाए, तो इसका उल्टा असर भी हो सकता है।

18 साल के उस क्रांतिकारी की कहानी जिसने हंसते-हंसते दी जान

11 अगस्त, 1908 को महान क्रांतिकारी खुदीराम बोस को फांसी दी जानी थी। उस समय उनकी उम्र 18 वर्ष थी। 10 अगस्त की रात को उनके पास जेलर पहुंचा। जेलर को खुदीराम से बड़ा स्नेह हो गया था। वह अपने साथ 4 आम लेकर उनके पास पहुंचा और बोला, "खुदीराम ये आम मैं तुम्हारे लिए लाया हूं। तुम इन्हें चूस लो। मेरा एक छोटा-सा उपहार स्वीकार करो। मुझे बड़ा संतोष होगा।" खुदीराम ने जेलर से वे आम लेकर अपनी कोठरी में रख लिए और कहा, "थोड़ी देर बाद मैं अवश्य इन आमों को चूस लूंगा।"सुबह जेलर फांसी के लिए खुदीराम को लेने पहुंचा वह पहले से ही तैयार थे। जेलर ने देखा कि उसके द्वारा दिए गए आम वैसे के वैसे रखे हुए हैं। उसने पूछा, "क्यों खुदीराम। तुमने ये आम चूसे नहीं। तुमने मेरा उपहार स्वीकार क्यों नहीं किया?" खुदीराम ने बहुत भोलेपन से उत्तर दिया, "अरे जेलर साहब जरा सोचिए सुबह ही जिसको फांसी के फंदे पर झूलना हो, क्या उसे खाना-पीना सुहाएगा?" जेलर ने कहा, "खैर, कोई बात नहीं, मैं ये आम उठा लेता हूं और अब इन्हें तुम्हारा उपहार समझकर मैं चूस लूंगा।" यह कह कर जेलर ने जैसे ही आमों को उठाना चाहा, वे पिचक गए। खुदीराम जोर से ठहाका मारकर हंसे और काफी देर तक हंसते रहे। दरअसल, उन्होंने उन आमों का रस रात में ही चूस लिया था और उन्हें फुलाकर रख दिया था। जेलर खुदीराम की मस्ती पर मुग्ध और आश्चर्यचकित हुए बिना न रह सका। वह सोच रहा था कि कुछ समय बाद मृत्यु जिसको अपना ग्रास बना लेगी, वह हंसते हुए किस प्रकार मृत्यु को चिढ़ा रहा है। जेलर ने कहा, "वास्तव में यह मातृभूमि रत्नगर्भा है और खुदीराम जैसे लोग इस मातृभूमि के रत्न हैं। ऐसे महापुरुष बार-बार हमारी मातृभूमि पर अवतरण लें, ऐसी मंगल कामना है।"

'परम सुंदरी' ने वीकेंड पर लगाई छलांग

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की फिल्म ने 9वें दिन छाप डाले इतने करोड़

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की फिल्म 'परम सुंदरी' को रिलीज हुए 9 दिन हो गए है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। इसने वीकेंड पर भी करोड़ों रुपये का कलेक्शन किया है। जानिए इसने 6 सितंबर, शनिवार को इसने कितने करोड़ रुपये कमाए हैं। पढ़ें ये रिपोर्ट।

'परम सुंदरी' बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 9

दिल्ली का लड़का परम (सिद्धार्थ मल्होत्रा) और साउथ इंडियन लड़की सुंदरी (जान्हवी कपूर)। फिल्म का नाम 'परम सुंदरी'। तुषार जलोटा के डायरेक्शन में बनी ये मूवी 29 अगस्त 2025 को थिएटर्स में रिलीज हुई थी। ओपनिंग डे पर 7.25 करोड़ रुपये से खाता खोला और अब 9वें दिन कितने करोड़ का कलेक्शन किया है, आइये जानते हैं। पहले बता दें कि 'परम सुंदरी' प्रोड्यूस किया है।

'परम सुंदरी' की कहानी

कहानी दिल्ली में रहने वाले एक लड़के की है, जो बिजनेस की दुनिया में नाम कमाना चाहता है, लेकिन सारे आइडिया फ्लॉप हो जाते हैं। फिर उसे एक ऐप के बारे में पता चलता है, जो आपको आपके सोलमेट से मिलवाती है। परम इस ऐप को ट्राई करने के लिए अपनी सोलमेट से मिलने जाता है, जो साउथ इंडिया में रहती है। जब दोनों के बीच कुछ-कुछ होने लगता है तो परम को पता चलता है कि वो ऐप और ऐप बनाने वाला दोनों फ्रॉड हैं। तो क्या वो अब सुंदरी को छोड़ देगा या फिर यही उसका सच्चा प्यार है, ये जानने के लिए आपको पूरी फिल्म देखनी पड़ेगी।

परिणीति के चेहरे पर नजर आया प्रेगनेंसी ग्लो

बॉलीवुड अदाकारा परीणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी मां बनने के बाद अनाउंसमेंट के बाद से ही सुर्खियों में हैं। अपने फैंस के साथ उन्होंने जैसे ही इस खबर को बताया कि वो मां बनने वाली हैं तो सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लग गया। अब इस ऐलान के बाद वो पहली बार किसी पब्लिक इवेंट में नजर आई हैं। एक कार्यक्रम में पहुंचीं परीणीति पारंपरिक काले अनारकली सूट में नजर आईं। उनके चेहरे पर प्रेग्नेंसी का ग्लो दिख रहा था। जैसे ही उनकी तस्वीरें और वीडियो सामने आए, फैन्स ने सोशल मीडिया पर जमकर प्यार लुटाया।

इंस्टाग्राम पोस्ट से किया ऐलान

बता दें अभिनेत्री और उनके पति राघव चड्ढा ने बीते 25 अगस्त को इंस्टाग्राम पर अपने नए सफर की घोषणा की थी। उन्होंने एक प्यारे कैप्शन के साथ बताया था कि उनकी छोटी सी खुशी आने वाली हैं। इसके बाद से ही प्रशंसकों, दोस्तों और बॉलीवुड से जुड़ी हस्तियों ने उन्हें शुभकामनाएं भेजनी शुरू कर दीं।

परीणीति और राघव की प्रेम कहानी

यह रिश्ता भी कम दिलचस्प नहीं रहा। लंबे समय से एक-दूसरे को जानने के बावजूद उनकी नजदीकियां लंदन में हुए एक एलुमनाई इवेंट से बढ़नी शुरू हुई। दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदली और आखिरकार मई 2023 में दोनों ने दिल्ली में सगाई की। कुछ ही महीनों बाद, सितंबर में उदयपुर की झीलों के बीच उन्होंने करीबी रिश्तेदारों और दोस्तों की मौजूदगी में सात फेरे लिए। शादी के बाद साझा की गई तस्वीरों में दोनों ने लिखा था कि हमारी पहली मुलाकात से ही दिलों ने कह दिया था कि यह सफर हमेशा का होगा।

सर्वश्रेष्ठ निर्देशक पुरस्कार जीतने के बाद भावुक हुई अनुपर्णा

महिलाओं को अवॉर्ड किया समर्पित

भारतीय फिल्म निर्देश अनुपर्णा रॉय ने देश का परचम लहराया है। वेनिस फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई एकमात्र भारतीय फिल्म- च्सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज' के लिए अनुपर्णा को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का सम्मान दिया गहया। क्यों खास है अनुपर्णा की ये उपलब्धि? क्या है फिल्म की कहानी? जानिए सबकुछ।

इटली में आयोजित 82वें वेनिस फिल्म: फेस्टिवल में भारत का डंका बजा है। पूरे देश लिए गर्व के इन लम्हों को सहेजने का श्रेय फिल्ममेकर अनुपर्णा रॉय को जाता है। उनकी फिल्म च्सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज़' के लिए उन्हें ओरिज़ोंटी सेक्शन का सर्वश्रेष्ठ निर्देशक पुरस्कार प्रदान किया गया। इस पुरस्कार की घोषणा ओरिज़ोंटी जूरी की अध्यक्ष, फ्रांसीसी फिल्मकार जूलिया ड्यूकुर्नो ने समापन समारोह के दौरान की। भारतीय सिनेमा के लिए यह उपलब्धि महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है।

अवॉर्ड जीतने के बाद क्या बोलीं अनुपर्णा रॉय?: इस खिताब को जीतने के बाद नम आंखों के साथ अनुपर्णा रॉय ने अवॉर्ड उन सभी महिलाओं को समर्पित किया जो अपने खिलाफ हो रहे अत्याचार के खिलाफ या किसी भी मुद्दे पर अपनी आवाज नहीं उठा पाती हैं। अनुपर्णा रॉय ने कहा, 'यह फिल्म उन हर महिलाओं को समर्पित है, जिनकी आवाज कभी दबा दी गई, जिन्हें नजरअंदाज किया गया या कम आंका गया। मेरी कामना है कि यह जीत और अधिक आवाजों और ज्यादा कहानियों और महिलाओं को सिनेमा ही नहीं बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में और अधिक ताकत देने की प्रेरणा बने।'

प्रवासी महिलाओं की जिंदगी पर आधारित है फिल्म: अनुपर्णा रॉय की इस फिल्म से अनुराग कश्यप भी जुड़े हैं। खास बात ये भी रही कि इस वर्ष के ओरिज़ोंटी सेक्शन में शामिल होने वाली एकमात्र भारतीय फिल्म- सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज़' ही रही। मुंबई में प्रवासी महिलाओं की जिंदगी पर आधारित इस फिल्म में आधी आबादी के अकेलेपन, संघर्ष और क्षणिक रिश्तों के बीच जीने का रास्ता तलाशने की जिजिविषा को दिखाया गया है।

कलाकारों और अनुराग कश्यप का विशेष आभार: इटली के वेनिस शहर में अवॉर्ड लेने मंच पर सफेद साड़ी में पहुंचीं अनुपर्णा रॉय ने देश के परिधान को भी सात समंदर पार खास तौर पर स्थान दिलाया। उन्होंने इस सम्मान को 'सपना सच होने जैसा लम्हा' बताया। उन्होंने जूरी, अपनी टीम, कलाकारों और अनुराग कश्यप का विशेष आभार व्यक्त किया।

ईशा गुप्ता ने पूरी की धमाल 4 की शूटिंग

बॉलीवुड की सबसे ग्लैमरस और बहुमुखी अभिनेत्रियों में से एक, ईशा गुप्ता अब अपनी कॉमिक टाइमिंग और दमदार स्क्रीन प्रेज़ेन्स से दिल जीतने के लिए तैयार हैं धमाल 4 में। अजय देवगन और पूरी एनसेंबल कास्ट के साथ बड़े पैमाने पर शूटिंग करने के बाद, अभिनेत्री ने अब अपनी शूटिंग पूरी कर ली है और निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर इंद्र कुमार की इस बहुप्रतीक्षित कॉमेडी एक्स्ट्रावैगेंज़ा का रैप-अप घोषित कर दिया है। ईशा के लिए धमाल 4 अजय देवगन के साथ उनकी तीसरी फिल्म है, बादशाहो और टोटल धमाल के बाद। पिछले महीने अजय और ईशा को माध आइलैंड में महत्वपूर्ण सीक्वेंसेज़ शूट करते हुए देखा गया था, जहां उनके साथ रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफरी, रवि किशन, संजय मिश्रा और अन्य कलाकार भी शामिल थे। रैप-अप के मौके पर ईशा ने कहा धमाल जैसी दर्शकों की पसंदीदा फ्रेंचाइज़ का हिस्सा बनना मेरे लिए एकदम खुशी की बात है। इंद्र सर, अजय और पूरी टीम के साथ काम करना, टोटल धमाल के बाद एक बार फिर, अविस्मरणीय अनुभव रहा। अजय एक पावरहाउस टैलेंट हैं, और सेट पर उनकी सहजता और एनर्जी सबको और बेहतर बना देती है। सेट का माहौल हमेशा मजेदार, हंसी-खुशी और पॉज़िटिविटी से भरा रहा। मैं बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूं कि दर्शक वो पागलपन और मस्ती देखें जो हमने क्रिएट की है। शूट खत्म करना मेरे लिए बेहद खास है क्योंकि ये फिल्म सच में प्योर एंटरटेनमेंट है और इसका हिस्सा बनकर मैं बेहद उत्साहित हूं।

अभिनेत्री निकिता घाग और उसके साथियों पर फिल्म निर्माता से बंदूक की नोक पर 10 लाख ट्रांसफर कराने का आरोप

बॉलीवुड से जुड़े अंधेरी वेस्ट इलाके में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। फिल्म निर्माता कृष्णकुमार वीरसिंह मीणा उर्फ के. कुमार (48) ने आरोप लगाया है कि अभिनेत्री निकिता घाग और उसके सहयोगियों ने उन्हें बंधक बनाकर बंदूक की नोक पर 10 लाख रुपए जबरन ट्रांसफर करवाए। इस घटना के बाद अंबोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है। फिल्म निर्माता कृष्णकुमार वीरसिंह मीणा उर्फ के. कुमार (48) ने मामला दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि 14 अगस्त की शाम निकिता घाग 10 से अधिक लोगों के साथ उनके स्टूडियो, चित्रलेखा हेरिटेज पहुंची।

गणपति विसर्जन के बाद अक्षय कुमार ने किया ऐसा काम, यूजर्स ने की जमकर तारीफ

अक्षय कुमार को रविवार सुबह मुंबई के जुहू बीच पर कई लोगों के साथ देखा गया। वह गणपति विजर्सन कार्यक्रम के समापन के बाद यहां पहुंचे थे। जुहू बीच पर एक्टर ने ऐसा काम किया कि सोशल मीडिया पर उनकी वाहा-वाही हो रही है। अक्षय कुमार सोशल मैसेज वाली फिल्मों के जरिए तो लोगों को अवेयर करते हैं। साथ ही वह समय-समय पर अपनी नैतिक जिम्मेदारी भी समाज और देश को लेकर निभाते हैं। हाल ही में गणपति विजर्सन समापन के बाद एक्टर ने जुहू बीच पर कुछ ऐसा काम किया कि सोशल मीडिया पर उनकी तारीफ होने लगी।

यूजर्स ने की खिलाड़ी कुमार की तारीफ

सोशल मीडिया पर अक्षय कुमार के इस प्रयास की सराहाना हो रही है। एक यूजर ने लिखा, अक्षय कुमार हमेशा अच्छा काम करते हैं।' अन्य यूजर ने अक्षय के लिए हार्ट और फायर इमोजी सोशल मीडिया पर साझा किए और एक्टर की पहल को सराहा है।

सोशल मीडिया पर अक्षय कुमार का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह गणेश विसर्जन के बाद जुहू बीच पर फैले कचरे को साफ करते हुए दिखाई दिए। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने इस क्लिन अप ड्राइव को होस्ट किया है। अक्षय कुमार के साथ वायरल वीडियो में वह भी सफाई करती हुई नजर आई।

'अयोध्या रामलीला' में सीता बनेंगी मिस यूनिवर्स इंडिया मनिका

मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 का खिताब अपने नाम करने वाली मनिका विश्वकर्मा 'अयोध्या रामायण' में माता जानकी का रोल अदा करेंगी। उन्होंने खुशी जताते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम की कृपा से यह अवसर मिला है। 'मिस यूनिवर्स इंडिया 2025' का खिताब जीतने वाली मनिका विश्वकर्मा आगामी वार्षिक नाट्य समारोह 'अयोध्या रामलीला' में हिस्सा ले रही हैं। इस रामलीला में वे माता सीता की भूमिका निभाती नजर आएंगी। मालूम हो कि 'अयोध्या रामलीला' को दुनिया की सबसे बड़ी रामलीला माना जाता है। यह मौका मिलने पर मनिका बेहद खुश हैं और इसे श्रीराम की कृपा बता रही हैं।

मनिका ने फैंस से किया अनुरोध

अयोध्या की रामलीला के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसमें मनिका बोलती दिख रही हैं, 'जय श्रीराम, मैं अयोध्या की रामलीला में माता सीता का किरदार अदा करने जा रही हूं। यह मेरे लिए एक सौभाग्य की बात है कि भगवान श्रीराम के आशीर्वाद, बजरंगबली के आशीर्वाद और अयोध्यावासियों के आशीर्वाद से यह किरदार अदा करूंगी।

'यूजर्स के निशाने पर आईं साई पल्लवी, 'मां सीता के लिए कास्टिंग खराब है...

साउथ की फेमस एक्ट्रेस साई पल्लवी हाल ही में एक अवॉर्ड शो में नजर आईं। उनके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। कुछ उनकी सादगी की तारीफ कर रहे हैं तो किसी को 'रामायण' में माता सीता के लिए उनकी कास्टिंग पसंद नहीं आ रही है। उनके वीडियो पर सभी के मिले-जुले रिएक्शन आ रहे हैं। साई पल्लवी के वायरल वीडियो पर यूजर्स ने खूब रिएक्ट किया है। एक ने कहा, 'पुरानी रामायण बेस्ट है।' दूसरे ने कहा, 'मां सीता के लिए इससे बुरा कोई विकल्प नहीं हो सकता।' अन्य ने कहा, 'मां सीता के लिए बेजान चेहरा अच्छी पसंद नहीं है! कास्टिंग बहुत खराब है।' हालांकि, साई पल्लवी के फैंस उनके सपोर्ट में हैं। उनका कहना है कि वो बहुत प्यारी दिख रही हैं और 'रामायण' में मां सीता के रोल के लिए परफेक्ट हैं।

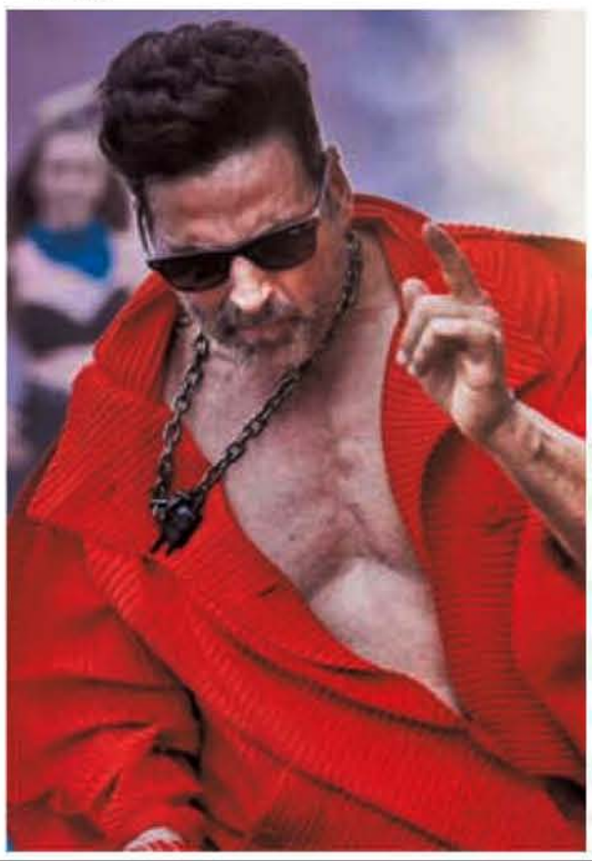

कूड़ा न उठाने पर एजी एन्वायरो पर 5 लाख का जुर्माना ठोंका

एसीईओ ने किया निरीक्षण, अवर अभियंता का वेतन रोका, एपीई से मांगा स्पष्टीकरण

नोएडा (चेतना मंच)। सोमवार को प्राधिकरण के एसीईओ संजय खत्री ने सेक्टर-94 स्थित आईटीएमएस का अन्य अधिकारियों के साथ यहां निरीक्षण किया और ITMS से लोकेशन देखी। पाया कि डोर टू डोर गाड़ियां कई एरिया में नहीं जा रहा है। कंपनी पर पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसके बाद वो सेक्टर-94 व 126 गए। वहां केबिल एजेंसियों ने खोदाई कर मरम्मत नहीं की। कंपनियों को नोटिस जारी किया गया।

सेक्टर-126 एचसीएल के पास वेंडिंग जोन में वेंडर्स ने डस्टबिन नहीं रखे थे। निर्देश दिया कि वेंडर्स को तीन दिन में हरा , नीला डस्टबिन रखना होग। साथ ही जन स्वास्थ्य परियोजना अभियंता को निर्देश दिया कि वे ये सुनिश्चित करे। यहां डस्टबीन लग जाए जिसकी रिपोर्ट बैठक में दी जाए। सेक्टर-127 में अवैध वेंडर्स लगे मिले। अवर अभियंता को वेतन रोकते हुए स्पष्टीकरण मांगा गया है। बख्तावरपुर के पास 45 मीटर रोड व जेपी के सामने घांस और झांडियां है। जिसे अगले सात दिनों में विशेष सफाई अभियान चलाकर साफ करने के निर्देश दिए गए। सेक्टर-135 में गौशाला का निरीक्षण किया। यहां जल भराव वाले स्थानों पर एंटी लार्वा और फॉगिंग कराने के निर्देश दिए गए। सेक्टर-130 बिजली घर के पास कूड़ा मिला। सहायक परियोजना अभियंता जन स्वास्थ्य से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

शूटिंग में मंजू सिंह ने जीता गोल्ड मेडल, बधाईयों का तांता

नोएडा (चेतना मंच)। शूटिंग के क्षेत्र में अब तक कई अवार्ड जीतने का रिकॉर्ड बनाने वाले उमेश सिंह तथा मंजू सिंह दंपति का नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं है। अब फिर मंजू सिंह ने 10 मीटर एयर राइफल की मास्टर कैटेगरी में गोल्ड मेडल हासिल करके उत्तर प्रदेश तथा देश का नाम रोशन किया है।

जयपुर के जगतपुरा शूटिंग रेंज में आयोजित 48वीं यूपी स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में मंजू सिंह ने 10 मीटर एयर राइफल में गोल्ड मेडल हासिल किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन 30 अगस्त से लेकर 7 सितंबर तक जयपुर में किया गया था।

मालूम हो कि इसके पूर्व भी मंजू सिंह तथा उनके पति उमेश सिंह ने दिल्ली के करणी सिंह शूटिंग रोज रेंज में 23 जुलाई से 28 जुलाई तक संपन्न हुए 28वीं प्री यूपी स्टेट शूटिंग प्रतियोगिता में 10 मीटर की शूटिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल हासिल किया था। बताते चले कि दोनों ही दंपति शूटिंग के क्षेत्र में देश तथा विदेशों में बेहतर प्रदर्शन करके भारत तथा उत्तर प्रदेश का परचम लहरा चुके हैं। उनकी इस उपलब्धि से नोएडा के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के लोगों का सर एक बार फिर गर्व से ऊंचा हो गया है। उनकी इस उपलब्धि पर बधाई देने वालों का ताता लगा हुआ है।

प्राधिकरण के कर्मचारियों को भूखंड दिलाने के लिए समिति गठित

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन की कार्यकारिणी बैठक यूनियन कार्यालय सेक्टर 6 में आयोजित की गई। बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

एसोसिएशन अध्यक्ष चौ राजकुमार सिंह ने बताया कि प्राधिकरण के लगभग 400 कर्मचारियों को ग्रेटर नोएडा में आबंटित आवासीय भूखंड को दिलाने के संबंध में बैठक में विस्तृत रूप से चर्चा की गई है। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस संबंध में एक समिति का गठन करते हुए युद्ध स्तर पर इस पर कार्य किया जायेगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में भी इस मुद्दे पर बात कर रहे हैं और उच्च न्यायालय में भी ज़ोरदार तरीक़े से पैरवी की जाएगी

इस दौरान एसोसिएशन अध्यक्ष चौ राजकुमार सिंह महासचिव जितेंद्र कुमार उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा वीरपाल चौधरी सचिव नीरज राणा अमित कुमार कोषाध्यक्ष सुभाष चंद्र,धर्मपाल भाटी,अजय प्रताप सिंह, राहुल कुमार, श्रवण कुमार, जितेंद्र सिंह, ईश्वर, सुरेंद्र नागर, रोहित बंसल उपेंद्र कुमार कृष्ण कुमार,सुरेंद्र प्रताप, अमरजीत सिंह, रजनी रानी, धर्मेंद्री, छाया अग्रवाल, बिजेंद्र शर्मा, श्रीओम कसाना एस पलनी कुमार प्रीत सिंह आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

वृद्धाश्रम में विश्व फिजियोथेरेपी दिवस पर नि:शुल्क शिविर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। विजन हेल्थ एंड एजुकेशन फाउंडेशन ने नॉलेज पार्क-2 स्थित रामलाल वृद्धाश्रम में विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। इस शिविर का संचालन फेथ हेल्थकेयर फिजियोथेरेपी एंड रिहैब सेंटर के सहयोग से किया गया।

शिविर में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अनुज श्रीवास्तव और डॉ. प्राची श्रीवास्तव ने लगभग 25 वृद्धजनों का ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, पल्स और ऑक्सीजन लेवल की जांच की। वहीं, जोड़ों के दर्द से पीड़ित बुजुर्गों का उपचार फिजियोथेरेपी मशीनों की मदद से डॉ. साकेत ने किया। डॉ. किशन त्यागी ने उपस्थित वृद्धजनों को व्यायाम करवाते हुए उन्हें नियमित रूप से शारीरिक गतिविधियां अपनाने के लिए प्रेरित किया। विजन हेल्थ फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. अजय ने कहा कि फिजियोथेरेपी गति, मुद्रा और मांसपेशियों के स्वास्थ्य को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

इस अवसर पर डॉ. अनुज कुमार श्रीवास्तव, डॉ. प्राची श्रीवास्तव, डॉ. साकेत कुमार, डॉ. किशन त्यागी, रेणु कुमारी, अनुज जैन, ज्ञानी सिंह, सौरभ सिंह, रोहित कुमार, पीयूष गर्ग, डॉ. अरुण प्रताप और डॉ. अजय कुमार सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

स्पोर्ट्स इंजरी में काफी कारगर है फिजियोथेरेपी : डॉ. राकेश कुमार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा स्थित गवर्नमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज (जिम्स) अस्पताल में वर्ल्ड फिजियोथैरेपी डे मनाया गया। इस मौके पर चिकित्सा क्षेत्र में फिजियोथैरेपी की महत्ता और सार्थकता पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

जिम्स के निदेशक डॉक्टर ब्रिगेडियर राकेश कुमार गुप्ता ने बताया कि कमर दर्द, गर्दन दर्द, जोड़ों की समस्या, मांसपेशियों की कमजोरी तथा एक्सीडेंटल सर्जरी के बाद पुन: सामान्य जीवन जीने के लिए फिजियोथैरेपी काफी कारगर सिद्ध होती है। स्पोर्ट्स इंजरी, पैरालिसिस (लकवा) आदि में फिजियोथैरेपी काफी कारगर है। फिजियोथेरेपी के जरिए शरीर की अनेक दर्द भरी जटिल समस्याओं का इलाज बगैर दवाइयां और सर्जरी के किया जाता है। इसका उद्देश्य केवल दर्द को कम करना ही नहीं बल्कि मांसपेशियों और जोड़ों की गतिशीलता को बढ़ाकर जीवन की गुणवत्ता को भी सुधारना है। अस्पताल में मैग्नेट, बैलेंस, अल्ट्रासोनिक, लेजर थेरेपी तथा मैन्युअल थेरेपी से बेहतर फिजियोथैरेपिस्टों द्वारा मरीजो का उपचार किया जा रहा है। विभिन्न समस्याओं को लेकर फिजियोथैरेपी विभाग में आने वाले मरीजों को खासी राहत मिल रही है।

डॉ गुप्ता ने बताया कि जिम्स अस्पताल का फिजियोथैरेपी विभाग बेहतर तरीके से मरीजों की देखभाल कर रहा है। यहां प्रतिदिन 150 से अधिक मरीज फिजियोथेरेपी के लिए आ रहे हैं। महीने में इन मरीजों की संख्या 4 से 5 हजार के बीच रहती है। उन्होंने कहा कि फिजियोथैरेपी यूनिट को और उन्नत बनाने का प्रयास किया जा रहा है जिससे मरीजों को और बेहतर तथा आधुनिक उपचार मिल सके।

इस मौके पर ऑर्थोपेडिक्स डिपार्टमेंट के प्रोफेसर और एचओडी डॉ विकास सक्सेना ने बताया कि आज की बदलती जीवन शैली, बढ़ते तनाव की वजह से अधिकतर कामकाजी युवा व वृद्ध लोग कमर दर्द, गर्दन दर्द, जोड़ों की समस्याओं तथा मांसपेशियों की कमजोरी से पीड़ित है। परेशान होने पर अक्सर लोग पेन किलर खाकर लिए दर्द से राहत मिल जाती है लेकिन समस्या का पूर्ण निदान नहीं हो पता है। उन्होंने बताया कि इसमें फिजियोथैरेपी ही एक बेहतर उपचार साबित होता है। स्पोर्ट्स इंजरी तथा क्रॉनिक पेन में भी फिजियोथैरेपी ही बेहतर विकल्प साबित होता है।

इस मौके पर ऑर्थोपेडिक डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर अक्षय पंवार ने भी फिजियोथैरेपी की महत्ता पर प्रकाश डाला।

तीनों तहसीलों में हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

160 शिकायतें मिली, 8 का हुआ त्वरित निस्तारण

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप जनसामान्य की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए आज जनपद गौतमबुद्धनगर की तीनों तहसीलों जेवर, दादरी एवं सदर में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 160 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 08 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही किया गया।

जिलाधिकारी मेधा रूपम के निर्देशानुसार जेवर तहसील में उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जनता की समस्याएं सुनी गईं। इस दौरान 72 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 03 शिकायतों का समाधान मौके पर ही किया गया। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

इसी क्रम में दादरी तहसील में अपर जिलाधिकारी भू/अ0 बच्चू सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस संपन्न हुआ। यहां 85 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 05 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही किया गया।

सदर तहसील में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ, जिसमें 03 शिकायतें दर्ज की गईं।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com